मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

मुंबई
वर्षः 7 अंक 289
सोमवार, 12 मई 2025
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

हर खबर निष्पक्षता के साथ

भारत प्रौद्योगिकी के विभिन्न पहलुओं में वैश्विक नेता के रूप में उभर रहा हैः प्रधानमंत्री मोदी

नई दिल्ली, 11 मई। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को 1998 के पोखरण परमाणु परीक्षणों को याद किया और कहा कि भारत प्रौद्योगिकी के विभिन्न पहलुओं में एक वैश्विक नेता के रूप में उभर रहा है।

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस 11 मई, 1998 की महत्वपूर्ण घटनाओं की याद दिलाता है, जब भारत ने ऑपरेशन शक्ति के तहत सफल परमाणु परीक्षण किए और स्वदेशी रूप से विकसित हंसा-3 विमान की पहली उड़ान देखी।

इन उपलब्धियों के सम्मान में, तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने 11 मई को राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस के तौर पर मनाने की घोषणा की थी। मोदी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस पर शुभकामनायें। यह हमारे वैज्ञानिकों के प्रति गर्व और कृतज्ञता व्यक्त करने और 1998 के पोखरण परीक्षणों को याद करने का दिन है। वे हमारे देश के विकास पथ में एक ऐतिहासिक घटना थी, खासकर आत्मनिर्भरता की दिशा में हमारी खोज में।

उन्होंने कहा, हमारे लोगों की मदद से भारत प्रौद्योगिकी के विभिन्न पहलुओं में वैश्विक नेता के रूप में उभर रहा है, चाहे वह अंतरिक्ष हो, कृत्रिम मेधा हो, डिजिटल नवाचार हो, हरित प्रौद्योगिकी हो या और भी बहुत कुछ। मोदी ने विज्ञान और अनुसंधान के माध्यम से भावी पीढ़ियों को सशक्त बनाने की प्रतिबद्धता की पुष्टि की। प्रधानमंत्री ने कहा, प्रौद्योगिकी मानवता का उत्थान करे, हमारे राष्ट्र को सुरक्षित करे और भविष्य की वृद्धि को गति दे।

ऑपरेशन सिंदूर पर बोले डीजीएमओ, भारतीय सेना ने एलओसी पर पाकिस्तान आर्मी के 35-40 जवानों को मार गिराया

नई दिल्ली, 11 मई। रविवार को आयोजित एक दुर्लभ और महत्वपूर्ण तीनों सेनाओं की प्रेस ब्रीफिंग में भारतीय सेना, नौसेना और वायुसेना के वरिष्ठ अधिकारियों ने पहलगाम आतंकी हमले के बाद देश के जवाबी सैन्य अभियान ऑपरेशन सिंदूर के बारे में विस्तृत जानकारी दी। पिछले हफ़्ते चलाए गए इस ऑपरेशन में पाकिस्तानी सेना को काफी नुकसान हुआ है। भारतीय अधिकारियों का अनुमान है कि 7 मई से 10 मई के बीच कम से कम 35 से 40 सैनिक मारे गए।

संयुक्त ब्रीफिंग के दौरान बोलते हुए एयर मार्शल ए.के. भारती ने कहा, पाकिस्तानी सेना को भारी नुकसान हुआ है। हमारी सेना ने नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पार प्रमुख आतंकी ठिकानों और महत्वपूर्ण सैन्य बुनियादी ढांचे को निशाना बनाते हुए सटीक हमला किया है। भारती के अनुसार, यह कार्रवाई बढ़ते खतरों के प्रत्यक्ष जवाब में की गई, जिसमें पहलगाम आतंकी घटना भी शामिल है, जिसमें नागरिक और सैन्य जीवन का दावा किया गया था। डीजीएमओ लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई ने कहा, ...8-9 मई की रात को, उन्होंने (पाकिस्तान ने) सीमाओं के पार हमारे हवाई क्षेत्र में ड्रोन और विमान उड़ाए और कई सैन्य बुनियादी ढांचे को निशाना बनाने के बड़े पैमाने पर असफल प्रयास किए। पाकिस्तान द्वारा नियंत्रण रेखा पर उल्लंघन फिर से शुरू हुआ और भयंकर तोपखाने मुठभेड़ों में बदल गया... एयर मार्शल ए.के. भारती कहते हैं, 8 और 9 की रात को, 22:30 बजे से ही, हमारे शहरों पर ड्रोन, मानवरहित हवाई वाहनों का व्यापक हमला हुआ, जो श्रीनगर से शुरू होकर नलिया तक गया... हम तैयार थे और हमारी हवाई रक्षा तैयारियों ने सुनिश्चित किया कि जमीन पर या दुश्मन द्वारा नियोजित किसी भी लक्षित लक्ष्य को कोई नुकसान न पहुंचे... एक संतुलित और संतुलित प्रतिक्रिया में, हमने एक बार फिर लाहौर और गुजरांवाला में सैन्य प्रतिष्ठानों, निगरानी रडार साइटों को निशाना बनाया... ड्रोन हमले सुबह तक जारी रहे, जिनका हमने जवाब दिया। जबकि ड्रोन हमले लाहौर के नजदीक कहीं से किए जा रहे थे, दुश्मन ने अपने नागरिक विमानों को भी लाहौर से उड़ान भरने की अनुमति दे दी थी, न केवल उनके अपने विमान बल्कि अंतर्राष्ट्रीय यात्री विमान भी, जो काफी असंवेदनशील है।

राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे ने पीएम मोदी को लिखा पत्र, संसद का विशेष सत्र बुलाने की मांग की

नई दिल्ली, 11 मई। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर पहलगाम आतंकवादी हमले और सीमा पार से गोलीबारी के मामले में ताजा घटनाक्रम पर चर्चा के लिए संसद का विशेष सत्र बुलाने की मांग की है।

राहुल ने अपने पत्र में लिखा, 'मैं विपक्ष के सर्वसम्मति से किए गए अनुरोध को दोहराता हूं कि संसद का विशेष सत्र तुरंत बुलाया जाए। लोगों और उनके प्रतिनिधियों के लिए पहलगाम आतंकवादी हमले, 'ऑपरेशन सिंदूर' और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से दोनों देशों के संघर्ष-विराम के लिए तैयार होने की घोषणा पर चर्चा करना अहम है। यह आने वाली चुनौतियों का सामना करने के लिए हमारे सामूहिक संकल्प को प्रदर्शित करने का भी अवसर होगा।' उन्होंने कहा, 'मुझे विश्वास है कि आप इस मांग पर गंभीरतापूर्वक और शीघ्रता से विचार करेंगे।'

खरगे ने अपने पत्र में उनके और राहुल गांधी की ओर से 28 अप्रैल को लिखे गए पत्रों का जिक्र किया, जिनमें प्रधानमंत्री से पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के मद्देनजर संसद का विशेष सत्र बुलाने का अनुरोध किया गया था। कांग्रेस अध्यक्ष ने लिखा, 'ताजा घटनाक्रम के मद्देनजर लोकसभा में विपक्ष के नेता ने आपको फिर से पत्र लिखकर संसद का विशेष सत्र बुलाने के सभी विपक्षी दलों के सर्वसम्मति से किए गए अनुरोध से अवगत कराया है, ताकि पहलगाम हमले, ह्यऑपरेशन सिंदूरह्ल और संघर्ष-विराम की घोषणा पहले वाशिंगटन और बाद में भारत व पाकिस्तान की सरकारों द्वारा किए जाने के मुद्दे पर चर्चा की जा सके।'

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने ब्रह्मोस एयरोस्पेस सुविधा का किया उद्घाटन

नई दिल्ली, 11 मई। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए उत्तर प्रदेश के लखनऊ में ब्रह्मोस एयरोस्पेस एकीकरण और परीक्षण सुविधा का उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइलें सशस्त्र बलों की ताकत और दुश्मन के खिलाफ देश की प्रतिरोधक क्षमता का संदेश हैं।

राजनाथ सिंह ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, 'आज ब्रह्मोस एकीकरण एवं परीक्षण सुविधा केंद्र के उद्घाटन के अवसर पर, मुझे आपसे बात करके बहुत खुशी हो रही है। मैं व्यक्तिगत रूप से इसमें शामिल होना चाहता था। लेकिन आप जानते हैं कि मैं क्यों नहीं आ सका। हम जिस स्थिति का सामना कर रहे हैं, उसे देखते हुए मेरे लिए दिल्ली में रहना महत्वपूर्ण था। इसलिए, मैं वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आपसे जुड़ रहा हूँ।'

रक्षा मंत्री ने आगे कहा, 'आज राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस है। 1998 में इसी दिन अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में हमारे वैज्ञानिकों ने पोखरण में परमाणु परीक्षण किया था और दुनिया को भारत की ताकत दिखाई थी। वह परीक्षण हमारे वैज्ञानिकों, इंजीनियरों, रक्षा कर्मियों और कई अन्य हितधारकों के अथक प्रयासों का परिणाम था। हमने दुनिया को अपनी ताकत दिखाई है। ब्रह्मोस हमारे सशस्त्र बलों की ताकत और हमारे दुश्मन के खिलाफ प्रतिरोधक क्षमता का संदेश है। ब्रह्मोस अपने आप में हमारे दुश्मन के लिए एक संदेश है।'

पहलगाम हमले को लेकर पाकिस्तान की आलोचना करते हुए राजनाथ सिंह ने कहा, 'भारत विरोधी और आतंकी संगठन जिन्होंने भारत माता के मुकुट (कश्मीर) पर हमला किया और कई परिवारों के 'सिंदूर' को मिटा दिया, भारतीय सशस्त्र बलों ने #ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से उन्हें न्याय दिलाया।

इसलिए, पूरा देश भारतीय सशस्त्र बलों के प्रति आभार व्यक्त कर रहा है। ऑपरेशन सिंदूर केवल एक सैन्य अभियान नहीं है, बल्कि भारत की राजनीतिक, सामाजिक और सामरिक इच्छाशक्ति का प्रतीक भी है। आतंकवाद के खिलाफ यह ऑपरेशन भारत की इच्छाशक्ति और सैन्य शक्ति और क्षमता का प्रदर्शन भी था। हमने दिखाया है कि जब भी भारत आतंकवाद के खिलाफ कोई कार्रवाई करेगा, तो सीमा पार की जमीन भी आतंकवादियों और उनके नेताओं के लिए सुरक्षित नहीं होगी।'

रक्षा मंत्री ने आगे कहा, 'भारतीय सशस्त्र बलों ने पाकिस्तान में आतंकवादी ढांचे को ध्वस्त करने के लिए ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया। हमने कभी उनके नागरिकों को निशाना नहीं बनाया। लेकिन पाकिस्तान ने न केवल भारत में नागरिक क्षेत्रों को निशाना बनाया, बल्कि मंदिरों, गुरुद्वारों और चर्चों पर भी हमला करने का प्रयास किया। वीरता और बहादुरी के साथ, भारतीय सशस्त्र बलों ने संयम दिखाया और पाकिस्तान में अन्य स्थानों को निशाना बनाकर करारा जवाब दिया।

मुख्यमंत्री मान ने सैन्य जरूरतों के लिए राजस्थान को अतिरिक्त पानी छोड़ने का आदेश दिया

पंजाब, 11 मई। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने शनिवार को राजस्थान को अतिरिक्त पानी छोड़ने का आदेश दिया, ताकि राज्य में सेना की जरूरतें पूरी की जा सकें। मुख्यमंत्री के हवाले से बयान में कहा गया कि राजस्थान सरकार ने पंजाब के कोटे से अधिक पानी मांगा है, ह्यह्यक्योंकि राजस्थान सीमा पर तैनात सेना को अतिरिक्त पानी की आवश्यकता हैह्लह्ल।

मान ने कहा कि जब भी राष्ट्रीय हितों की बात आती है तो पंजाब कभी पीछे नहीं रहता। उन्होंने कहा, ह्यह्यन केवल पानी, बल्कि पंजाब राष्ट्रीय हितों के लिए अपना खून भी बहा सकता है।

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मातृ दिवस पर माताओं और चिकित्सकों के योगदान की सराहना की

नई दिल्ली, 11 मई। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने रविवार को मातृ दिवस के अवसर पर माताओं और चिकित्सकों के योगदान की सराहना करते हुए उन्हें जीवन के दो स्तंभ बताया। मुख्यमंत्री गुप्ता ने एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, एक लड़ाई सीमा पर लड़ी जाती है, जिसका भार हमारे सैनिकों के कंधों पर होता है। लेकिन दूसरा युद्ध बुरी आदतों, अस्वस्थ परंपराओं और नकारात्मक सोच के रुप में समाज में व्याप्त है। हमें यह भी लड़ना है। गुप्ता ने हर नागरिक को एक राष्ट्रीय पूंजी की तरह देखने की जरूरत को रेखांकित किया। उन्होंने कहा, अगर हमारे 140 करोड़ लोग अपने परिवार और देश के लिए ईमानदारी से काम करें, तो भारत निश्चित रूप से आगे बढ़ेगा।

मुख्यमंत्री ने खासकर महिलाओं में मोटापे की बढ़ती समस्या पर चिंता जताते हुए स्वास्थ्य और संतुलित आहार को प्राथमिकता देने की जरूरत बतायी। उन्होंने कहा, मोटापे की समस्या खत्म होनी चाहिए। महिलाएं आमतौर पर सबका ख्याल रखती हैं, लेकिन कोविड-19 के दौरान मैंने महसूस किया कि हमें खुद का ख्याल सबसे पहले रखना चाहिए।

गुप्ता ने कहा, भगवान के बाद अगर किसी पर हमारा सबसे अधिक विश्वास होता है, तो वो हमारी मां और हमारे चिकित्सक होते हैं। एक हमें जीवन देता है और दूसरा उसे बचाता है। उन्होंने महिलाओं को अपने स्वास्थ्य की जिम्मेदारी लेने के लिए प्रोत्साहित करते हुए दिल्ली सरकार द्वारा शहर भर के पार्क में ओपन जिम स्थापित किये जाने की पहल का उल्लेख किया। उन्होंने कहा, अगर जरूरत पड़ी तो हम और भी ओपन जिम लगवाएंगे। स्वस्थ भारत हमारा सपना है जिसकी नींव स्वस्थ परिवारों से शुरू होती है।

मणिपुर में स्थानीय लोगों से जबरन वसूली के आरोप में 11 उग्रवादी गिरफ्तार

मणिपुर, 11 मई। मणिपुर के कई इलाकों में स्थानीय लोगों से जबरन वसूली करने के आरोप में 11 उग्रवादियों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। शनिवार को इम्फाल पश्चिम, काकचिंग, बिष्णुपुर और थौबल जिलों से यह गिरफ्तारियां की गईं।

पुलिस ने बताया कि उग्रवादियों के पास से कई हथियार और गोलाबारूद जब्त किया गया है। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार किए गए उग्रवादियों में प्रतिबंधित कांगलीपाक कम्युनिस्ट पार्टी (एमसी प्रोग्रेसिव) के चार उग्रवादी शामिल हैं। पुलिस ने बताया कि उनके पास से दो पिस्तौल और 27 कारतूस बरामद किए गए हैं।

मऊ में दीवार गिरने से दो बच्चों की मौत, राहत कार्य जारी

मऊ। मऊ जिले के हलधरपुर थाना क्षेत्र के बेलौझा गांव में रविवार को दीवार गिरने से उसके मलबे में दबकर दो बच्चों की मौत हो गयी। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि घटना की जानकारी मिलते ही राहत और बचाव दल तत्काल मौके पर पहुंचा।

स्थानीय लोग और पुलिस प्रशासन की मदद से मलबा हटाने का कार्य युद्धस्तर पर जारी है। मऊ के अपर जिलाधिकारी (एडीएम) सत्यप्रिय सिंह ने बताया कि यह एक पुरानी जर्जर इमारत थी जिसमें पहले कभी कताई बुनाई का कार्य किया जाता था, लेकिन वर्षों से खाली थी।

उन्होंने बताया कि रविवार को अवकाश का दिन होने के कारण बच्चे खेल रहे थे, तभी यह हादसा हो गया। एडीएम ने बताया कि हादसे में बच्चों की मौके पर ही मौत हो गयी। मृत बच्चों की पहचान बेलौझा गांव निवासी शिवम (13) और अरुण (10) के रूप में हुई है। हादसे के बाद गांव में मातम का माहौल है। उन्होंने बताया कि मामले में अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है और यहां पर पुराने जर्जर भवन को गिराया जा रहा है।

अरुणोदय सर्जिकल एण्ड ट्रामा सेन्टर

डा. अरूण आर. सिंह
कन्सल्टेन्ट लैप्रोस्कोपिक सर्जन
एस.एम.ओ.) एल.टी.एम.एम. जी. एच. (सायन हॉस्पिटल मुम्बई)
स.आर.) एम. जी.एम. मेडिकल कॉलेज एण्ड हॉस्पिटल (नवी मुम्बई)
रजि.नं.-82945 (यू.पी.एम.सी.)

जनरल सर्जरी
स्त्री एवं प्रसूति रोग
आर्थोपेडिक (सर्जरी एवं परामर्श)
कीमोथिरैपी सुविधा उपलब्ध
न्यूरो सर्जरी (परामर्श एवं सर्जरी)
वेन्टिलेटर एवं डायलिसिस की सुविधा उपलब्ध
प्रशिक्षित डाक्टर स्टाफ तथा सभी मानकों पर खरा उतरने वाला जनपद का एक मात्र हास्पिटल
दूरबीन विधि द्वारा सभी प्रकार की सर्जरी
जनरल मेडिसिन, मधुमेह रोग
गुर्या एवं मूत्र रोग (सर्जरी एवं परामर्श)
गैस्ट्रोइन्टरोलॉजी (इण्डोस्कोपी एवं कालोनोस्कोपी)
एक्सीडेण्टल एवं ट्रामा इमरजेन्सी
सेवा 24 घण्टे उपलब्ध

डा0 पुनीत सिंह
M.S.M.C.H.
गुर्दा एवं मूत्र रोग विशेषज्ञ (यूरो सर्जन)
डा0 रवि प्रकाश सिंह
M.S. (Ortho)
हड्डी एवं जोड़ रोग विशेषज्ञ
डा0 प्रभात सिंह
M.D.(Medicine)
कंसल्टेंट फिजिशियन
डा0 सुमित कुमार सिंह
M.D.(Neuro Psychiatrist)
मानसिक रोग विशेषज्ञ

24/7 Emergency Services

बीमा कार्ड धारकों के लिए विशेष सुविधा उपलब्ध
आयुष्मान कार्ड द्वारा निःशुल्क इलाज की सुविधाएं
8090966086,8090015086
कलीचाबाद, जौनपुर

ईश्वर की सर्वश्रेष्ठ कृति है मां

-रमेश सर्राफ धमोरा

मां एक ऐसा शब्द है जिसमें पूरा ब्रम्हांड समा जाए। जब हम मां बोलने के लिए मुंह खोलते हैं तो शब्द के उच्चारण के साथ ही पूरा मुंह भर जाता है। मां ममता की मूरत होती है। पूरी दुनिया के सभी धर्मों नेमां के रिश्ते को सबसे पवित्र माना गया है। अपने बच्चों के प्रति मां का प्यार, दुलार, समर्पण और त्याग अनमोल होता है। मां को सम्मान देने के लिए पूरी दुनिया में मई माह के दूसरे रविवार को मातृत्व दिवस (मदर डे) के रूप में मनाया जाता है। ऐसे में इस साल 11 मई को मातृ दिवस मनाया जाएगा। एना जार्विस नामक अमेरिकन महिला ने अपनी समाजसेविका मां की स्मृति में 1908 में पहली बार मदर्स डे मनाया था। जिन्होंने महिलाओं के लिए काफी कार्य किए थे।

मां को संस्कृत में मातरः कहते है। मां ईश्वर की सर्वश्रेष्ठ कृति है जिसके माध्यम से परमेश्वर अपने अंश द्वारा अपनी शक्ति का संचार और विस्तार करता है। पुराणों के अनुसार मां का अर्थ लक्ष्मी है। जिस प्रकार मां लक्ष्मी सृष्टि का पालन करती है उसी प्रकार मां भी शिशु का पालन करती है। इस प्रकार मां को लक्ष्मी का स्वरूप माना गया। एक मत यह है कि इस सृष्टि का आरंभ मनु और शतरूपा नामक स्त्री-पुरुष के समागम से हुआ। मनु के नाम पर ही उनकी संतान को मनुज या मानव कहा गया। मनु की संतान को जिसने जन्म दिया उसे मां कहा गया। और इस प्रकार मां शब्द की उत्पत्ति हुई। दुनिया में मां की तुलना भगवान से की जाती है। भारत में गंगा नदी को पवित्र मान कर मां का दर्जा दिया जाता है जो इस बात का संकेत है कि मां अपने आप में एक उपाधि है। कई धार्मिक ग्रंथो में जननी की महिमा का बखान मिलता है। मां होने का अर्थ है उत्तरदायित्व और निस्वार्थता से पूरी तरह से अभिभूत होना। मातृत्व का मतलब है रातों की नींद हराम करना। मां भगवान की सबसे श्रेष्ठ रचना है। उसके जितना त्याग और प्यार कोई नहीं कर सकता है। मां विश्व की जननी है उसके बिना संसार की कल्पना भी नहीं की जा सकती है। मां ही हमारी जन्मदाता होती है और वही हमारी सबसे पहली गुरु होती है। इसीलिए हम धरती को भी धरती माता कहते हैं। जो अपने उपर हम सब का वजन उठाती है।

अंतरराष्ट्रीय मातृत्व दिवस माताओं एवं मातृत्व का सम्मान करने वाला दिन होता है। एक मां सभी की जगह ले सकती है। लेकिन उनकी जगह कोई और नहीं ले सकता है। मां अपने बच्चों की हर प्रकार से रक्षा और उनकी देखभाल करती है। इसलिए मां को ईश्वर का दूसरा रूप कहा जाता है। मां वह शख्स होती है जो नो माह तक अपने बच्चे को कोख में रखकर जन्म देती है। उसके बाद उसका लालन-पालन करती है। कुछ भी हो जाए लेकिन एक मां का अपने बच्चों के प्रति स्नेह कभी कम नहीं होता है। वह खुद से भी ज्यादा अपने बच्चों के सुख सुविधाओं को लेकर चिंतित रहती है। मां अपनी संतान की रक्षा के लिए बड़ी से बड़ी विपत्तियों का सामना करने का साहस रखती है।

देखा जाए तो मातृ दिवस का इतिहास सदियों पुराना एवं प्राचीन है। यूनान में परमेश्वर की मां को सम्मानित करने के लिए यह दिवस मनाया जाता था। 16वीं सदी में इंग्लैंड का ईसाई समुदाय ईशु की मां मदर मेरी को सम्मानित करने के लिए इस दिवस को त्योहार के रूप में मनाये जाने की शुरूवात हुई। मदर्स डे मनाने का मूल कारण समस्त माताओं को सम्मान देना और एक शिशु के उत्थान में उसकी महान भूमिका को सलाम करना है। मातृत्व दिवस को आधिकारिक बनाने का निर्णय पूर्व अमरीकी राष्ट्रपति वूडरो विलसन ने आठ मई 1914 को लिया था। राष्ट्रपति वुडरो विल्सन ने मई के दूसरे रविवार को मदर्स डे मनाने और मां के सम्मान में एक दिन के अवकाश की सार्वजनिक घोषणा की थी। वे समझ रहे थे कि सम्मान, श्रद्धा के साथ माताओं का सशक्तिकरण होना चाहिए। जिससे मातृत्व शक्ति के प्रभाव से युद्धों की विभीषिका रुके। तत्पश्चात हर वर्ष मई के दूसरे रविवार को मदर्स डे मनाया जाता है। वर्तमान में ये भारत के साथ यूके, चीन, यूएस, मेक्सिको, डेनमार्क, इटली, फिनलैण्ड, तुर्की, ऑस्ट्रेलिया, कैनेडा, जापान, बेल्जियम सहित कई देशों में मनाया जाता है। हर साल माताओं के प्रति अपने आदर और सम्मान को व्यक्त करने के लिए यह दिवस मनाया जाता है।

हमारे देश में गाय को भी गौमाता कह कर पुकारते हैं जो हमें अपने अपना दूध पिला कर बड़ा करती है। मां हमारे जीवन की सबसे प्रमुख हस्ती होती है जो बिना कुछ पाने की उम्मीद किए सिर्फ देती ही रहती है। मां का प्यार निस्वार्थ होता है जो हम अपने पूरे जीवन में किसी और से प्राप्त नहीं कर सकते हैं। मां बच्चे की पहली गुरु होती है। भारतीय संस्कृति तथा कुछ ग्रंथों के अनुसार मां शब्द की उत्पत्ति गोवंश से हुई। गाय का बछड़ा जब जन्म लेता है तो उसके सर्वप्रथम रंभाने में जो स्वर निकालता है वह मां होता है। यानी कि बछड़ा अपनी जन्मदात्री को मां के नाम से पुकारता है। इस प्रकार जन्म देने वाली को मां कहकर पुकारा जाने लगा। शास्त्रों के अनुसार सर्वप्रथम बछड़े ने ही अपनी मां गाय को रंभाकर मां पुकारा और वहीं से इस शब्द की उत्पत्ति हुई।

जननी जन्मभूमिश्च स्वर्गदपि गरीयसी।

वाल्मीकि रामायण के इस श्लोक में आचार्य वाल्मीकि कहते हैं कि माता और मातृभूमि का स्थान स्वर्ग से भी ऊपर होता है और उनके चरणों में ही वैकुंठ धाम है।

नास्ति मातृसमा छाया, नास्ति मातृसमा गतिः।

नास्ति मातृसमं त्राण, नास्ति मातृसमा प्रिया।।

यह श्लोक जीवन में माता के महत्व को बताता है। इस श्लोक में कहा गया है माता के समान कोई छाया नहीं है और न ही उनके समान कोई सहारा है। न तो दुनिया में मां के समान कोई रक्षक नहीं और उनके समान कोई प्रिय वस्तु भी नहीं है। महाभारत में एक प्रसंग के दौरान जब यक्ष धर्मराज युधिष्ठर से सवाल पूछते हैं कि भूमि से भारी कौन है। तब युधिष्ठर कहते हैं कि माता इस भूमि से कहीं अधिक भारी होती हैं। अर्थात संसार में माता का स्थान सबसे अधिक गौरवपूर्ण है।

दुनिया में हर शब्द का अर्थ समझा और समझाया जा सकता है। लेकिन मां शब्द का अर्थ समझना और समझाना दोनों ही लगभग नामुमकिन है। मां शब्द का अर्थ समझाना इसलिए नामुमकिन है क्योंकि मां के प्यार को मां के बलिदान को शब्दों में नहीं समझाया जा सकता। इसे सिर्फ अनुभव किया जा सकता है। मां के दिल में जितना प्यार अपने बच्चों के लिए होता है। अगर मां के सभी बच्चे कोशिश भी करें तो उसका कुछ अंश भी अदा नहीं कर सकते।

मां शब्द की उत्पत्ति और अर्थ के बारे में कई मत हैं। विभिन्न शैलियों ने मां शब्द की व्याख्या की है। ये एक अक्षर वाला मां संबोधन पूरे ब्रह्मांड में सबसे ताकतवर शब्द माना जाता है। मां सिर्फ शब्द नहीं बल्कि एक भावना है। इसका वर्णन शब्दों मे करना नामुमकिन है। मां वो है जो न सिर्फ हमे जन्म देती है बल्कि हमे जीना भी सिखाती है। मां शब्द का अर्थ है निस्वार्थ प्यार और बलिदान। मां भगवान का जीता जागता स्वरूप है। मां खुले दिल से अपने बच्चो का भरपूर ख्याल रखती है। मां वो होती है जो खुद भूखी सो जाए पर अपने बच्चो को भूखा रहने नहीं देती। उसे खुद कितनी भी तकलीफ हो वो जताती नहीं और ऐसे मे भी सिर्फ अपने बच्चो की ही सलामती की दुआ करती है। मां की ममता समुद्र से भी गहरी है।

रोटरी पटना मिलेनियम एवं जयप्रभा मेदांता ने किया निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन

हाजीपुर। रोटरी क्लब ऑफ पटना मिलेनियम एवं जयप्रभा मेदांता सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल ने रविवार को एक निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया, जिसका उद्देश्य स्थानीय समुदाय को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करना था। यह शिविर महुआ - देसरी रोड स्थित राजकीय माध्यमिक विद्यालय, बहसी सैदपुर में आयोजित किया गया, जिसमें सैकड़ों लोगों ने भाग लिया। शिविर का उद्घाटन मुख्य अतिथि पीडीजी बिंदु सिंह, रो. राजेश सिंह एवं क्लब की अध्यक्ष सोनल जैन ने संयुक्त रूप से किया। शिविर में विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम द्वारा बीपी, शुगर, नेत्र परीक्षण, ईसीजी, चिकित्सा परामर्श सहित विभिन्न स्वास्थ्य परीक्षण किए गए। जरूरतमंद मरीजों को दवाएं भी निःशुल्क प्रदान की गई। शिविर को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि पीडीजी बिंदु सिंह ने कहा कि स्वास्थ्य ही सबसे बड़ा धन है। हमें अपने स्वास्थ्य के प्रति सजग रहना चाहिए और इस तरह के आयोजनों में बढ़ - चढ़कर भाग लेना चाहिए। वहीं रोटेरियन राजेश सिंह ने कहा कि आज के दौर में जब हमारी जीवनशैली तेजी से बदल रही है ऐसे में नियमित स्वास्थ्य जांच अत्यंत आवश्यक है। क्लब की अध्यक्ष सोनल जैन ने बताया कि इस पहल का उद्देश्य आम जनमानस में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता फैलाना और उन्हें बुनियादी चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि रोटरी क्लब भविष्य में भी ऐसे शिविरों का आयोजन करता रहेगा।

भारत और पाकिस्तान से सीजफायर के बाद कई अनसुलझे प्रश्न बाकी है

अशोक भाटिया

भारत और पाकिस्तान ने सीजफायर का ऐलान कर दिया है। बीते कई दिनों से दोनों देशों के बीच भयंकर तनाव चल रहा है। यह तनाव 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद से शुरू हुआ, जिसमें 26 निर्दोष लोगों की मौत हो गई थी। आज भारत के विदेश सचिव ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर सूचना दी कि दोनों देश अब एक दूसरे पर किसी भी प्रकार का हमला नहीं करेंगे। दोनों देश केवल अमेरिकी मध्यस्थता के कारण युद्धविराम के लिए सहमत हुए हैं। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने दोनों देशों के विदेश मंत्रियों के साथ बातचीत की, जिसके बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प दोनों देशों के बीच संघर्ष विराम के लिए सहमत हुए। उन्होंने एक्स पर पोस्ट कर दोनों देशों को बधाई दी। अमेरिका ने पहले घोषणा की कि भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष विराम है और बाद में भारत ने इसकी पुष्टि की। दोनों देशों के बीच संघर्ष विराम के बाद भारत ने घोषणा की थी कि हवाई, थल और समुद्र से हमले रुके जाएंगे, लेकिन विदेश मंत्री एस जयशंकर ने घोषणा की है कि आतंकवाद के मुद्दे पर कोई समझौता नहीं होगा।

सीजफायर से दोनों देशों पर हमले रुकेंगे और फायरिंग, ड्रोन और मिसाइलों का प्रवाह रुकेगा, लेकिन क्या पाकिस्तान प्रेरित आतंकवाद नहीं रुकना चाहिए? पहलगाम या पुलवामा में निर्दोष नागरिकों और सुरक्षा बलों की भयावह हत्याओं को अंजाम देने वाले आतंकवादी सामने आने चाहिए? उन्हें किसने प्रशिक्षित किया? उन्हें हथियार और स्वचालित बंदूकें किसने दीं? उन्हें किसने भेजा? उन्हें किसने कहा कि हिंदू पर्यटकों को उनके परिवारों के सामने गोली मारकर गोली मार दें और पूछें कि उनका धर्म क्या है? नरसंहार के बाद उन्हें किसने छिपाया? किसने उनकी रक्षा की? क्या युद्धविराम के बाद इन सवालों के जवाब मिल पाएंगे? क्या अमेरिका पाकिस्तान को इन सवालों के जवाब देने के लिए मजबूर करेगा? क्या सीजफायर से पाकिस्तान में सुधार होगा? इसकी गारंटी कौन देगा? यदि युद्ध कुछ दिन और जारी रहता तो पाकिस्तान भारत की शक्तिशाली और कुशल सेना के सामने फंस जाता। आंतरिक अशांति पाकिस्तान को और विभाजित कर देती। अमेरिका ने दोनों देशों पर युद्धविराम के लिए दबाव डाला। अमेरिका दो दिन पहले कह रहा था कि जब दोनों देशों के बीच तनाव होगा तो हम शामिल नहीं होंगे, तो अचानक क्या हुआ? युद्धविराम से किसे फायदा होगा? अगर आतंकवाद जारी है तो संघर्ष विराम क्यों, और किसके लिए?

पिछले चार दिनों में, भारतीय सशस्त्र बलों ने पाकिस्तान में प्रवेश किया है और आतंकी शिविरों पर हवाई हमले किए हैं और पाकिस्तान और पीओके में नौ आतंकी शिविरों को नष्ट कर दिया है। 22 अप्रैल, 2025 को आतंकवादियों ने कश्मीर के पहलगाम में प्रकृति का आनंद लेने आए 26 पर्यटकों को गोली मार दी, उनसे उनका धर्म पूछा। परिवार की महिलाओं के सामने अपने पतियों की हत्या कर दी। ₹जाके मोदी से कह दो.₹ कश्मीर के स्वर्ग में अपने परिवारों के साथ गई महिलाएं अपने पति के शव के साथ अपने घरों को लौट आईं आतंकी हमले का बदला लेने के लिए, भारत ने 7 मई की आधी रात के बाद ऑपरेशन सिंदूर ऑपरेशन शुरू किया और पाकिस्तान में प्रवेश किया और ड्रोन और मिसाइल दागे, जिसमें 100 से अधिक आतंकवादी मारे गऐ ऑपरेशन सिंदूर ऑपरेशन के दौरान भारतीय सेना ने दुनिया को एक संदेश भेजो नागरिकों के साथ कोई दुश्मनी नहीं है, आतंकवादियों के लिए कोई अच्छा नहीं है।

पहलगाम नरसंहार के बाद पूरी दुनिया ने देखा कि पाकिस्तान और आतंकियों के बीच का रिश्ता कितना करीब है। भारत ने अक्सर दुनिया के सामने सबूत पेश किया है कि पाकिस्तान और आतंकवाद एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। भारत में आतंकवाद के मास्टरमाइंड मसूद अजहर के रिश्तेदार के अंतिम संस्कार में पाकिस्तान में वर्दी में पुलिस और सेना के अधिकारी शामिल होते हैं। भारत ने इसकी क्लिप और तस्वीरें दुनिया के सामने पेश की हैं, पाकिस्तान से ट्रेनिंग लेकर आतंकी ब्रिगेड बनाई जाती हैं, भारत में खून-खराबा करने के लिए उन्हें आधुनिक हथियारों के साथ भारत भेजा जाता है और पाकिस्तान की सरकार उनकी रक्षा भी करती है। आतंकवाद ने न केवल भारत को बल्कि दुनिया के अनगिनत देशों को प्रभावित किया है। आम लोग शांतिपूर्ण जीवन जीना पसंद करते हैं, लेकिन पाकिस्तान प्रेरित आतंकवाद ने भारत में शांति और दैनिक जीवन को बार-बार दागदार किया है। पाकिस्तान उन आतंकवादियों को पसंद करता है जो भारत जाते हैं और बम विस्फोट, रक्तपात और नरसंहार करते हैं। जिनके माता-पिता, जिनके बच्चे, जिनके रिश्तेदार, उनके कुछ पड़ोसी आतंकवाद के शिकार हुए हैं। आतंकवादियों ने बंदूकें उठा ली हैं और भारत में अनगिनत महिलाओं की खोपड़ियां मिटा दी हैं।

लश्कर-ए-तैयबा (छीळ) और जैश-ए-मोहम्मद (खीट) उन लोगों में से थे जिन्होंने भारत पर आतंकवादी हमले किए थे। आतंकवादियों ने 13 दिसंबर, 2001 को भारत के सबसे बड़े संसदीय लोकतंत्र दिल्ली में संसद भवन पर हमला किया। आतंकवादियों ने 2002 में अक्षरधाम मंदिर पर हमला किया। 26 नवंबर, 2008 को आतंकवादी समुद्र के रास्ते मुंबई आए और हमले को अंजाम दिया। बम विस्फोटों में 166 निर्दोष लोग मारे गए और 300 से अधिक घायल हो गए। मुंबई पुलिस अजमल कसाब को जिंदा पकड़ने में कामयाब रही। उन्होंने पाकिस्तान में ही आतंकवाद की ट्रेनिंग ली थी। भारत ने उसे दुनिया को पाकिस्तान के आतंकी चेहरे के रूप में दिखाया। 2016 में उरी, 2019 में पुलवामा और 22 अप्रैल, 2025 को पहलगाम प्रमुख पाकिस्तान-प्रेरित आतंकवादी हमले थे। पाकिस्तानी आतंकवादियों ने 1999 में कंधार से इंडियन एयरलाइंस की एक उड़ान का अपहरण कर लिया था। भारत को तीन खतरनाक आतंकवादियों को रिहा करना पड़ा जो उस समय भारतीय जेल में थे ताकि यात्रियों की जान बचाई जा सके। पहलगाम नरसंहार के पंद्रह दिन बाद, भारतीय सेना ने पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में आतंकी शिविरों पर हवाई हमले किए। मिसाइलों को दागते हुए, भारतीय वायु सेना ने कराची, रावलपिंडी, लाहौर, इस्लामाबाद, पेशावर जैसे प्रमुख शहरों में पाकिस्तानी सेना को लॉन्च किया। लाहौर से पेशावर और रावलपिंडी से इस्लामाबाद तक भारतीय वायु सेना द्वारा किए गए हमले ने पाकिस्तान में जान बचाने के लिए एक बड़ा पलायन किया। पाकिस्तान के प्रधान मंत्री के निवास से सिर्फ 20 किमी दूर बम विस्फोट के बाद उन्हें एक सुरक्षित स्थान पर स्थानांतरित कर दिया गया। सेना प्रमुख असीम मुनीर को एक बंकर में छिपने के लिए मजबूर होना पड़ा। पाकिस्तान ने भारतीय क्षेत्र में, विशेष रूप से गुजरात, राजस्थान, पंजाब और कश्मीर की सीमाओं पर बड़े पैमाने पर ड्रोन हमले किए, लेकिन भारतीय सेना द्वारा खदेड़ दिया गया। पाकिस्तान द्वारा हमले में कुछ भारतीय सैनिक और निर्दोष लोग मारे गए। भारत के हमले मुख्य रूप से आतंकवादी शिविरों पर थे। भारत ने सावधानी से नागरिक क्षेत्रों और सैन्य ठिकानों पर हमला करने से परहेज किया, लेकिन पाकिस्तान ने किसी प्रतिबंध का पालन नहीं किया।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद पाकिस्तान का आतंकी चेहरा पुख्ता सबूतों के साथ सामने आया। भारत ने दुनिया को तस्वीरें और वीडियो साझा किए कि कैसे पाकिस्तान आतंकवादियों को बचाता है। भारत ने पाकिस्तानी सेना के अधिकारियों और लश्कर-ए-तैयबा के कमांडर अब्दुल राहौफ के एक साथ होने के सबूत भी साझा किए।पुलवामा में आतंकवादियों द्वारा भारतीय सुरक्षा बलों के 44 जवानों की हत्या के बाद, भारत ने बालाकोट में घुसकर आतंकी शिविर को नष्ट कर दिया था। लेकिन पाकिस्तान ने उसके बाद सबक नहीं सीखा। भारत के साथ सभी चार युद्ध हारने के बावजूद, पाकिस्तान ने सबक नहीं सीखा। पूरी दुनिया जानती थी कि पहलगाम में नरसंहार के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी चुप नहीं बैठेंगे। तुर्की के अलावा किसी भी देश ने भारत के खिलाफ पाकिस्तान को समर्थन देने का ऐलान नहीं किया है। भारत के आक्रामक प्रतिरोध को देखकर चीन ने भी बाद में कहा कि वह आतंकवाद के खिलाफ है।

पिछले चार दिनों से भारत और पाकिस्तान दोनों द्वारा ड्रोन और मिसाइल दागे गए थे। जब भारत ने पहले दौर में रात के अंधेरे में पाकिस्तान पर 24 मिसाइलें दागीं, तो इस्लामाबाद, लाहौर, पिंडी में सभी लोग मारे गए थे। भारतीय हवाई हमले में जैश-ए-मोहम्मद के प्रमुख मसूद अजहर के परिवार के 10 सदस्यों और चार करीबी सहयोगियों सहित चौदह लोग मारे गए थे। वहाँ हैं। टीवी स्क्रीन पर भी उनके सीन दिखाए जा रहे हैं। दोनों देशों ने यह नहीं कहा है कि युद्ध शुरू हो गया है। भारत ने स्पष्ट कर दिया है कि हमारी लड़ाई आतंकवाद के खिलाफ है। बिहार के मधुबनी में एक सार्वजनिक रैली को संबोधित करते हुए, प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने चेतावनी दी थी कि आतंकवादियों को इतनी कठोर सजा दी जाएगी कि उन्होंने कल्पना भी नहीं की होगी ... । भारत और पाकिस्तान ने सीजफायर भारत और पाकिस्तान ने सीजफायर पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ कभी-कभी भारत को परमाणु हमले की धमकी देते हैं और कभी-कभी पाकिस्तान तनाव कम करने के लिए तैयार रहता है यदि भारत हमले बंद कर देता है। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ ने भारत को चेतावनी दी थी कि वह खून की हर बूंद का बदला लेगा। पाकिस्तान चीन और तुर्की द्वारा दिए गए हथियारों पर भारत से लड़ रहा था। पाकिस्तान अभी भी विश्व बैंक और अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष के सामने भीख का कटोरा लेकर खड़ा है क्योंकि देश की अर्थव्यवस्था हिल चुकी है।

जब-जब ललकारा दुश्मन, तब-तब रौंदा भारत!

भारत न केवल एक प्राचीन सभ्यता है, बल्कि यह वह राष्ट्र है जिसने युद्धभूमि पर भी बार-बार साबित किया है कि वह न हारता है, न झुकता है, और न ही डरता है। जब शांति की बात आती है, तो भारत सबसे आगे होता है, और जब युद्ध थोप दिया जाता है, तब वही भारत अपने शत्रु के अहंकार को चूर-चूर कर देता है। पहली बार भारत ने केवल आतंकी ठिकानों को नहीं, बल्कि नेतृत्व स्तर के आतंकियों को भी निशाना बनाया. 2001 संसद हमले, 26/11 मुंबई हमले और हालिया पहलगाम आतंकी हमल रणनीतिक दृष्टि से बेहद निर्णायक रहा. भारत की सेनाओं ने जब उकसावे का जवाब देना शुरू किया तो पाकिस्तान की चूलें हिल गईं. हाल यह है कि अब वहां के विदेश मंत्री इशाक डार का कहना है कि पाकिस्तान युद्ध नहीं बल्कि शांति चाहता है. हालांकि यह पहली बार नहीं है जब भारत द्वारा पाकिस्तान को उसकी औकात दिखाए जाने के बाद वहां के किसी मंत्री ने अपने कदम पीछे खींचने की बात की हो. पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ, जिन्होंने पहले कहा था कि ह्वया तो हम (पाकिस्तान) बचेंगे या कोई नहीं बचेगा, उन्होंने भी अपने बयान से यू-टर्न लेते हुए कहा कि अगर भारत सीमा पर अपनी कार्रवाई रोक देता है तो पाकिस्तान भी तनाव नहीं बढ़ाना चाहेगा. पहलगाम आतंकी हम ले के बाद जवाबी कार्रवाई करते हुए भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान और उसके कब्जे वाले कश्मीर में 9 जगहों पर एयर स्ट्राइक करके जैश, लश्कर और हिजबुल मुजाहिदीन के आतंकी शिविरों को तबाह कर दिया. भारत ने स्पष्ट किया था कि उसने सिर्फ आतंकी शिविरों को टारगेट किया और पाकिस्तानी सैन्य प्रतिष्ठानों या रिहायशी इलाकों को निशाना नहीं बनाया. गेंद पाकिस्तान के पाले में थी कि वह तनाव बढ़ाना चाहता है या शांति का रास्ता अख्तियार करता है. उसने तनाव बढ़ाने की कोशिश की और भारतीय सैन्य प्रतिष्ठानों व रिहायशी इलाकों को ड्रोन और मिसाइलों से निशाना बनाया.

हालांकि, पाकिस्तानी हमले को भारत के मजबूत एयर डिफेंस ने हवा में ही निष्क्रिय कर दिया. बता दें कि भारतीय सेना के ऑपरेशन सिंदूर के खिलाफ पाकिस्तानी सेना ने ऑपरेशन बुन्यान-उन-मर्सूस शुरू किया, जिसे भारत ने चंद घंटों में ही विफल कर दिया. पाकिस्तान ने अपने ऑपरेशन के तहत भारत के उधमपुर, पठानकोट, बठिंडा और भुज एयरफोर्स स्टेशनों को निशाना बनाया लेकिन उसकी मिसाइलें भारतीय वायुसेना के एयर डिफेंस सिस्टम को भेंदने में नाकाम रहीं. पाकिस्तान ने इन हमलों के लिए अपनी हाई स्पीड मिसाइलों का उपयोग किया, जिन्हें भारत के एयर डिफेंस ने हवा में ही नष्ट कर दिया. इन हमलों में भारतीय एयर फोर्स स्टेशनों को सीमित क्षति पहुंची. इसके जवाब में भारत ने पाकिस्तान के 6 सैन्य ठिकानों पर हमले किए, जिनमें से रफीकी, मुरीद, चकलाला, रहीम यार खान, सुक्कुर और चुनिया एयरबेस शामिल हैं. भारतीय हमले में पाकिस्तान के रफीकी, मुरीद, चकलाला और रहीम यार खान एयरबेस को काफी नुकसान पहुंचा है. भारतीय सेना ने इस दौरान कोलैटरल डैमेज यानी आम नागरिकों और संरचनाओं को नुकसान न हो, इसका पूरा ध्यान रखा. भारत के रक्षा मंत्रालय ने भी स्पष्ट किया कि हमारी जवाबी कार्रवाई में पाकिस्तान को गंभीर सैन्य नुकसान पहुंचा है. भारतीय वायु सेना के लड़ाकू विमानों ने अपने सटीक हमले में पाकिस्तान के तकनीकी संस्थापन, कमांड एंड कंट्रोल सेंटर, रडार साइट्स और हथियारों के भंडारण को तबाह कर दिया है. इन हमलों के बाद पाकिस्तान को समझ में आ गया कि भारत की तीनों सेनाओ और उनके हथियारों की पहुंच उसके क्षेत्र में बहुत अंदर तक है. इसीलिए इशाक डार अब तनाव कम करने की गुजारिश की। परिणाम यह रहा कि भारत और पाकिस्तान के बीच अब युद्धविराम हो गया है. विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने कहा कि दोनों देशों के डीजीएमओं के बीच बातचीत हुई थी. इसमें फैसला लिया गया था कि 5 बजे से दोनों देश आकाश, जल, और थल पर तत्काल हमले रोक देंगे. इसके साथ ही दोनों देशों के बीच सीजफायर हो गया है. 12 मई को दोनों देशों के अधिकारी आगे की रणनीति पर चर्चा करेंगे.

उधर, पाकिस्तान के उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री इशाक डार ने सोशल मीडिया पर जानकारी दी कि भारत और पाकिस्तान ने तत्काल प्रभाव से संघर्षविराम पर सहमति जताई है. उन्होंने कहा कि पाकिस्तान ने हमेशा क्षेत्र में शांति और सुरक्षा के लिए प्रयास किए हैं, अपनी संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता से समझौता किए बिना भारत और पाकिस्तान के बीच अचानक घोषित हुए संघर्षविराम के पीछे बड़ी कूटनीतिक वजह है, विश्वसनीय सूत्रों के अनुसार राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डो.भाल और विदेश मंत्री एस. जयशंकर बीते कई दिनों से अपने अमेरिकी समकक्षों के साथ लगातार बातचीत में शामिल थे. इन वाताओं का उद्देश्य सीमा पर बढ़ते तनाव को समाप्त कर एक शांतिपूर्ण समाधान तक पहुंचना था. फिरहाल, ऑपरेशन सिंदूर के तहत भारतीय सेनाओं ने पहली बार पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के भीतर जाकर मुरिदके, बहावलपुर, सियालकोट जैसे प्रमुख स्थानों पर मिसाइल और हवाई हमले किए. यह वही क्षेत्र हैं जहां आतंकी संगठनों के मुख्यालय और ट्रेनिंग सेंटर मौजूद थे और जो वर्षों से भारत पर हमलों की साजिशें रचते आए हैं. यह भारत की ओर से पाकिस्तान की धरती पर पिछले पांच दशकों का सबसे बड़ा और सबसे गहरा सैन्य अभियान था. इससे पहले 2016 के सर्जिकल स्ट्राइक और 2019 के बालाकोट एयरस्ट्राइक ने पाकिस्तान को चेतावनी दी थी, लेकिन ऑपरेशन सिंदूर ने स्पष्ट कर दिया कि भारत अब केवल चेतावनी नहीं देगा सीधे कार्रवाई करेगा. इस ऑपरेशन में भारत ने पहली बार अपने अत्याधुनिक हथियारों का खुलकर प्रदर्शन किया, जिसमें एससीएलपी क्रूज मिसाइल, एचएएमएमइआर स्मार्ट बम और लॉइटरिंग म्यूनिशन (घूमकर निशाना साधने वाले ड्रोन) शामिल है. इन हथियारों ने पाकिस्तान की वायु रक्षा प्रणाली को अप्रभावी साबित कर दिया. ऑपरेशन सिंदूर के तहत भारत ने 9 बड़े आतंकवादी हब को पूरी तरह ध्वस्त किया. इन ठिकानों से संयुक्त राष्ट्र द्वारा प्रतिबंधित आतंकी हाफिज सईद, मसूद अजहर और अल-कायदा जैसे संगठनों से जुड़े आतंकीगतिविधियों को संचालित किया जा रहा था. इन हमलों में दर्जनों आतंकियों के मारे जाने की पुष्टि हुई है.

ऐतिहासिक युद्धों की झलक

1947 - 48 (पहला भारत-पाक युद्ध)

भारत ने जम्मू-कश्मीर को बचाने के लिए पाकिस्तान के कबायलियों और सेना को पीछे धकेला। सरदार पटेल के नेतृत्व में भारत ने प्रबल राजनीतिक इच्छाशक्ति दिखाई।

1965 का युद्ध

लाहौर तक भारतीय टैंक पहुँच गए थे। तत्कालीन प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री ने ह्वजय जवान, जय किसानह्व का नारा दिया, जो आज भी गूंजता है।

1971 का युद्धः भारत की सबसे बड़ी विजय

यह युद्ध भारत के इतिहास की सबसे निर्णायक जीत थी। इंदिरा गांधी के नेतृत्व में भारत ने मात्र 13 दिनों में पाकिस्तान को घुटनों पर ला दिया। 93,000 पाक सैनिकों ने आत्मसमर्पण कियाः विश्व इतिहास में अब तक का सबसे बड़ा सैन्य आत्मसमर्पण। बांग्लादेश का निर्माण हुआ, जो भारत की सामरिक और कूटनीतिक शक्ति का जीता-जागता प्रमाण है।

1999 का कारगिल युद्ध

पाकिस्तान ने जब कारगिल की चोटियों पर घुसपैठ की, तो भारत ने दुर्गम परिस्थितियों में वीरता का प्रदर्शन किया। कैप्टन विक्रम बत्रा, ग्रेनेडियर योगेंद्र यादव, और राइफलमैन संजय कुमार जैसे जवानों ने अद्वितीय साहस दिखाया। ह्वये दिल मांगे मोरह्व का नारा एक युद्धघोष बन गया।

सर्जिकल स्ट्राइक (2016)

उरी में 18 जवानों की शहादत के बाद भारतीय सेना ने एलओसी में घुसकर आतंकियों के लॉन्च पैड तबाह किए। यह पहली बार था जब भारत ने नियंत्रण रेखा पार कार्रवाई को सार्वजनिक रूप से स्वीकार किया।

बालाकोट एयर स्ट्राइक (2019)

14 फरवरी को पुलवामा में आत्मघाती हमले के बाद भारत ने जवाबी कार्रवाई में डपतंहम-2000 विमानों से जैश-ए-मोहम्मद के ठिकाने पर हमला किया। इसमें 250 से 300 आतंकियों के मारे जाने की रिपोर्ट थी। पाकिस्तान ने जवाब में एफ -16 विमानों का उपयोग किया, लेकिन अभिनंदन वर्धमान ने मिग-21 से उन्हें पीछे हटने पर मजबूर किया।

परिणाम यह हुआ कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में ह्वघर में घुस कर मारेंगेह्व जैसी दृढ़ भावना अब भारत की छवि बन चुकी है। पूर्व खुफिया प्रमुख डोभाल ने भारत की रणनीतिक नीति को सुदृढ़ बनाया। पाकिस्तान में घुसकर भारतीय नागरिक को छुड़ाना (2015) हो या उरी-बालाकोट की योजनाः उनकी भूमिका निर्णायक रही है। अंतरराष्ट्रीय मंच पर भी भारत का अमेरिका, फ्रांस, रूस जैसे राष्ट्रों ने भारत की आतंकी विरोधी कार्रवाई का समर्थन किया। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में मसूद अजहर को वैश्विक आतंकी घोषित करवाने में भारत की अहम भूमिका रही। जी 20 जैसे अंतराष्ट्रीय मंचों पर भारत अब केवल भागीदार नहीं, नीति निमार्ता बन चुका है। मतलब साफ है भारत अब वह राष्ट्र है जो शांति की बात पहले करता है, लेकिन आवश्यकता पड़ने पर जवाब भी जोरदार देता है। पाकिस्तान को अब यह समझ आ गया है कि उसकी सीमित सैन्य और कूटनीतिक क्षमता भारत जैसे मजबूत राष्ट्र के सामने टिक नहीं सकती। भारत कभी युद्ध नहीं चाहता, लेकिन जब युद्ध लादा जाता है तो भारत न केवल लड़ता है, बल्कि जीतता भी है, वो भी प्रमाणों, पराक्रम और प्रतिष्ठा के साथ। भारत ने 1947 में स्वतंत्रता प्राप्त करने के बाद भी कई युद्धों का सामना किया। 1947, 1965, 1971 और 1999 का कारगिल युद्ध, जहां पाकिस्तान ने बार-बार भारत की सीमा पर अशांति फैलाने का प्रयास किया। हर बार भारत ने न केवल सैन्य रूप से उन्हें पीछे हटाया, बल्कि अंतरराष्ट्रीय मंच पर भी अपना नैतिक और कूटनीतिक वर्चस्व स्थापित किया। 1971 का युद्ध इसका सबसे बड़ा उदाहरण है, जिसमें भारत ने पाकिस्तान को पराजित कर बांग्लादेश का निर्माण कराया। यह विश्व इतिहास में दुर्लभ है कि किसी देश ने दूसरे देश से युद्ध में जीतकर एक नए राष्ट्र का उदय सुनिश्चित किया। 21वीं सदी का भारत अब केवल आत्मरक्षा तक सीमित नहीं। 2016 की सर्जिकल स्ट्राइक और 2019 की बालाकोट एयर स्ट्राइक ने स्पष्ट कर दिया कि भारत अब सक्रिय सुरक्षा नीति पर काम करता है।

सर्जिकल स्ट्राइक (2016): उरी हमले के बाद भारतीय सेना ने नियंत्रण रेखा के पार आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया और उन्हें ध्वस्त किया। बालाकोट एयर स्ट्राइक (2019) पुलवामा हमले में 40 जवानों के बलिदान के बाद, भारतीय वायुसेना ने पाकिस्तान के बालाकोट में जैश-ए-मोहम्मद के शिविरों पर सटीक हमला कर पूरी दुनिया को संदेश दिया कि अब भारत चुप नहीं बैठेगा। इन कार्रवाइयों में सटीकता, प्रमाण, और अंतरराष्ट्रीय मान्यता तीनों मौजूद थीं। वैश्विक शक्तियां, जिनमें अमेरिका, फ्रांस, और जापान जैसे देश शामिल हैं, उन्होंने भारत के आत्मरक्षा के अधिकार का समर्थन किया। हर बार की तरह पाकिस्तान ने इन हमलों को नकारने की कोशिश की, लेकिन सैटेलाइट चित्रों, मीडिया रिपोर्ट्स और स्वतंत्र सैन्य विशेषज्ञों ने इन कार्रवाइयों की पुष्टि की। इससे पाकिस्तान को यह स्पष्ट संकेत मिला कि भारत की राजनीतिक इच्छाशक्ति, सैन्य तैयारी और खुफिया नेटवर्क अब पहले से कहीं अधिक सक्षम हैं। भारत एक शांति प्रिय देश है, लेकिन यह भी उतना ही सत्य है कि भारत अब ह्वनई सोच, नई नीतिह्व के साथ आगे बढ़ चुका है। वह युद्ध नहीं चाहता, लेकिन यदि ललकारा गया, तो पीछे भी नहीं हटता। और जब कार्रवाई करता है, तो दुनिया देखती है, प्रमाण, पराक्रम और परिपक्वता के साथ। भारत अब केवल जवाब नहीं देता, वह निर्णय लेता है, और उसे अंजाम तक पहुंचाता है। पाकिस्तान, जो बार-बार आतंकवाद का सहारा लेकर भारत को अस्थिर करने का प्रयास करता रहा है, अब यह अच्छी तरह समझ चुका है कि भारत अब केवल प्रतिक्रिया देने वाला राष्ट्र नहीं रहा। अब भारत की नीति है ह्व ह्वसबूतों के साथ कार्रवाईह्व। यह बदलाव केवल कूटनीतिक बयानबाजी तक सीमित नहीं, बल्कि बालाकोट एयर स्ट्राइक और सर्जिकल स्ट्राइक जैसी कार्रवाइयों में प्रत्यक्ष रूप से देखा गया है। भारत ने यह साबित कर दिया है कि वह अब किसी भी उकसावे का मूक दर्शक नहीं बनेगा। पाकिस्तान को यह सच्चाई समझ में आने लगी है कि उसकी सीमित सामरिक क्षमता भारत के समक्ष टिक नहीं सकती। अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर भी भारत की स्थिति पहले से कहीं अधिक सशक्त और प्रमाणित है।

भारत का इतिहास केवल सभ्यता और संस्कृति का नहीं, बल्कि वीरता, आत्मबलिदान और विजयी संघर्षों का भी रहा है। राजा अशोक से लेकर छत्रपति शिवाजी महाराज और फिर स्वतंत्रता संग्राम के महानायकों तक, भारत ने हर युग में यह सिद्ध किया है कि जब बात उसकी अखंडता और गौरव की होती है, तो वह अडिग खड़ा होता है। 1971 के बाद यह पहली बार हुआ जब थलसेना, वायुसेना और नौसेना ने एक साथ साझा कार्रवाई करते हुए पाकिस्तान के अंदर गहराई तक हमला बोला. भारत ने आतंकवादी संगठनों जैश-ए-मोहम्मद और लश्कर-ए-तैयबा के ठिकानों को निशाना बनाते हुए आतंकवाद के नेटवर्क की रीढ़ तोड़ दी. ऑपरेशन सिंदूर के जरिए भारत ने पूरी दुनिया को यह स्पष्ट संदेश दे दिया कि आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई करने में वह किसी भी हद तक जा सकता है. चाहे वह दुश्मन की धरती पर कितनी भी गहराई में क्यों न हो. यह पहली बार हुआ जब किसी देश ने खुले तौर पर एक परमाणु शक्ति संपन्न राष्ट्र के भीतर इतने अंदर तक सैन्य कार्रवाई की और सफल रहा. मतलब साफ है पहलगाम हमले में मारे गए 25 भारतीयों और एक नेपाली नागरिक की शहादत के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्र से वादा किया था कि आतंकियों और उनके संरक्षकों को दंड मिलेगा. ऑपरेशन सिंदूर उस वादे को पूरा करने का ऐतिहासिक उदाहरण बन गया. ऑपरेशन सिंदूर सिर्फ एक सैन्य कार्रवाई नहीं, बल्कि एक नई रणनीति, नया आत्मविश्वास और भारत की नई सैन्य नीति की घोषणा है. अब भारत सिर्फ रक्षात्मक नहीं, बल्कि आक्रामक रणनीति के साथ आतंक के ठिकानों पर सर्जिकल प्रहार कर रहा है. यह ऑपरेशन हमेशा याद किया जाएगा

पाकिस्तान पर भरोसा करना ग्रेनेड से हाथ मिलाने जैसाः मिलिंद देवड़ा

मुंबई। शिवसेना नेता मिलिंद देवड़ा ने शनिवार को कहा कि इस्लामाबाद पर भरोसा करना ग्रेनेड से हाथ मिलाने जैसा है। इससे पहले जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा कि भारत और पाकिस्तान द्वारा जमीन, हवा और समुद्र में सभी तरह की गोलीबारी और सैन्य कार्रवाई रोकने पर सहमति जताए जाने के बावजूद श्रीनगर में विस्फोटों की आवाज सुनी गईं।

सरकारी सूत्रों ने शनिवार रात बताया कि पाकिस्तान ने जमीन, वायु और समुद्र पर सभी प्रकार की गोलीबारी और सैन्य कार्रवाइयों को तत्काल रोकने के लिए दोपहर में बनी द्विपक्षीय सहमति का उल्लंघन किया है।

राज्यसभा सदस्य देवड़ा ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, जब दुनिया का सबसे बड़ा आतंकवादी सिंडिकेट सिर्फ लश्कर-ए-तैयबा या जैश-ए-मोहम्मद न होकर, खुद पाकिस्तान सरकार है, तो संघर्षविराम का कोई मतलब नहीं है। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि पाकिस्तान पर भरोसा करना ग्रेनेड से हाथ मिलाने जैसा है। इससे पहले शनिवार को पाकिस्तान और भारत के सैन्य अभियान महानिदेशकों (डीजीएमओ) ने जमीन, हवा और समुद्र पर सभी तरह की गोलीबारी रोकने पर सहमति जताई थी।

महाराष्ट्र के चंद्रपुर में बाघ के हमले में महिला की मौत

मुंबई। महाराष्ट्र के चंद्रपुर जिले में रविवार को बाघ के हमले में 65 वर्षीय एक महिला की मौत हो गई। वन विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। यह घटना एक दिन पहले जिले में बाघ के हमले में तीन महिलाओं की मौत होने के बाद सामने आई है। अधिकारी ने बताया कि मृतक महिला की पहचान मूल तालुका के नगला गांव निवासी विमला शिंदे के रूप में हुई है। अधिकारी ने बताया कि महिला सुबह के समय तेंदूपत्ता तोड़ने के लिए जंगल में गई थीं, तभी एक बाघ ने उस पर हमला कर दिया। उन्होंने बताया कि शनिवार को सिंदेवाही रेंज के कंपार्टमेंट नंबर 1355 में एक बाघ के हमले में तीन महिलाओं की मौत हो गयी थी।

एमडीआरएफ और अमेरिकी वैज्ञानिकों ने खोजा डायबिटीज का नया रूप, एमओडीवाय रिसर्च में वैश्विक सफलता

मुंबई। भारत के चेन्नई स्थित मद्रास डायबिटीज रिसर्च फाउंडेशन (एमडीआरएफ) और वॉशिंगटन यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ मेडिसिन, सेंट लुइस, मिसौरी, अमेरिका के शोधकताओं ने संयुक्त रूप से एमओडीवाय डायबिटीज के एक नए प्रकार की खोज की घोषणा की है। यह एक बड़ी वैज्ञानिक उपलब्धि मानी जा रही है, जो भविष्य में इस बीमारी के कुछ रूपों की पहचान और इलाज के तरीके को वैश्विक स्तर पर बदल सकती है। यह खोज मैच्योरिटी-ऑनसेट डायबिटीज ऑफ द यंग एक दुर्लभ, वंशानुगत डायबिटीज प्रकार झ पर केंद्रित है, जो आमतौर पर बचपन या किशोरावस्था में सामने आती है। यह खोज प्रतिष्ठित डायबिटीज पत्रिकामें प्रिंट से पहले ऑनलाइन प्रकाशित की गई है। इस अध्ययन में भारत के उन रोगियों को शामिल किया गया था, जिन्हें पहले से एमओडीवाय डायबिटीज के रूप में चिन्हित किया गया था। इनके विस्तृत आनुवंशिक और प्रयोगशाला विश्लेषण के आधार पर अइउउ8 जीन से जुड़े एमओडीवाय के एक खास उपप्रकार के पीछे एक महत्वपूर्ण तंत्र का पता चला है। यह जीन अग्नाशय की बीटा कोशिकाओं के कामकाज में अहम भूमिका निभाता है। वाशिंगटन यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ मेडिसिन, सेंट लुइस, मिसौरी, यूएसए के प्रमुख शोधकर्ता प्रो. कॉलिन जी. निकोल्स ने बताया, आमतौर पर अइउउ8 जीन में पाए जाने वाले म्यूटेशन गैन ऑफ फंक्शन प्रकार के होते हैं, जो इस प्रोटीन की सक्रियता को बढ़ा देते हैं। इससे नवजातों में नियोनेटल डायबिटीज और वयस्कों में एमओडीवाय-12 जैसी स्थितियाँ पैदा होती हैं। लेकिन एमडीआरएफ के साथ मिलकर हमने कुछ नए लॉस ऑफ फंक्शन म्यूटेशन की पहचान की है, जो प्रोटीन की सक्रियता को कम या खत्म कर देते हैं। ये म्यूटेशन आमतौर पर कॉनजेनिटल हाइपरइंसुलिनिज्म का कारण बनते हैं, जिससे बचपन में बार-बार लो ब्लड शुगर यानी हाइपोग्लाइसीमिया देखा जाता है। खास बात यह है कि इन रोगियों में पहले उलकथा, लेकिन बाद में यही स्थिति पलट कर डायबिटीज (हाई ब्लड शुगर) में बदल गई। हमारे लिए यह पहली बार है जब एमओडीवाय के किसी उपप्रकार में इस तरह का तंत्र देखा गया है।

फिल्मी अंदाज में कमीलियंट का नया कैंपेन पेश

मुंबई। कमीलियंट, एक ऐसा ब्रांड जो अपने बोल्ड, मजबूत और स्टाइलिश लगेज के लिए जाना जाता है, 2014 में अपनी स्थापना के बाद से यात्रा बैग्स की दुनिया में क्रांति ला चुका है। अपने पहले टीवीसी कैंपेन की सफल शुरूआत के बाद, कमीलियंट एक और जबरदस्त सीक्वल के साथ वापस आया है! इस बार बॉलीवुड के एक्शन स्टार टाइगर श्रॉफ और वर्सटाइल निकिता दत्ता के साथ, नया टीवीसी एक लोकप्रिय भारतीय पीरियड फिल्म की पैरोडी है, जिसमें कॉमेडी और ड्रमैटिक अंदाज के साथ एक प्रेस्टीजियस आइकानिक वॉर को प्रस्तुत किया गया है और वहीं कमीलियंट की मजबूती की सबसे कठिन परीक्षा ली जाती है। मिस अनुश्री तैनवाला, एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर मार्केटिंग, सैमसोनाइट साउथ एशिया, ने कहा, कमीलियंट मजबूती और दमखम का प्रतीक है, और इससे बेहतर तरीका क्या हो सकता है इसे दिखाने का, जैसे दमदार बॉलीवुड-स्टाइल सीन्स के जरिए? हम ऐसा कैंपेन बनाना चाहते थे जो मनोरंजक भी हो और लोगों को याद भी रहे, इसीलिए हमने फिल्मी अंदाज अपनाया। ये टीवी ऐड्स हमारे ब्रांड की खासियत को एक मजेदार और बड़े पैमाने पर दिखाते हैं, जो दर्शकों को खूब पसंद आता है। जैसे आजकल के ट्रैवलर्स को ऐसा लगेज चाहिए जो हर चुनौती को झेल सके, वैसे ही ये ऐड दिखाता है कि कमीलियंट हर मुश्किल हालात चाहे वो सफर हो या जंग झ सबका सामना करने के लिए बना है! यह नया विज्ञापन एक बड़े लड़ाई के मैदान में बनाया गया है, जो हुम्रस वेय में दिखाता है कि कैमिलिएंट के बैग कितने मजबूत और टिकाऊ हैं इतने मजबूत कि वे सबसे मुश्किल हालातों में भी टिक सकते हैं, यहाँ तक कि एक बड़ी लड़ाई में भी! जैसे ही जंग तेज होती है, टाइगर श्रॉफ एक निडर योद्धा की भूमिका में जोर से चिल्लाते हैं, नाम है टाइगर, काम है टू मच तोड़-फोड़! और जलते हुए उड़ते गदा से निकिता की सेना पर हमला करते हैं। सबको लगता है कि ये हमला रोका नहीं जा सकता – लेकिन निकिता चालाकी से कमिलियन ब्रिफकेस को ढाल की तरह इस्तेमाल कर उस वार को रोक देती है। उड़ते तीरों से लेकर जलते हुए तोप के गोलों तक झ सब लगेज पर गिरते हैं, लेकिन कोई असर नहीं होता। हमलावर सेना दंग रह जाती है कि ये लगेज कितना मजबूत है। विज्ञापन का अंत होता है ब्रांड के खास फीचर को दिखाते हुए, टैगलाइन के साथ झ ₹नाम है कमीलियंट काम है टफनेस !

सैमसंग ने भारत में अपना सबसे स्लिम F सीरीज स्मार्टफोन, गैलेक्सी F56 लॉन्च किया

मुंबई/पटना। भारत के सबसे बड़े कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड सैमसंग ने आज अपने F-सीरीज पोर्टफोलियो में सबसे स्लिम स्मार्टफोन गैलेक्सी F56 5G को लॉन्च किया। यह स्मार्टफोन केवल 7.2mm पतला है और फ्लैगशिप ग्रेड कैमरा, 6 जेनरेशंस एंड्रॉइड अपग्रेड साइकिल, आगे और पीछे दोनों तरफ गोरिल्ला ग्लास विक्टस+ प्रोटेक्शन और एडवांस एआई एडिटिंग टूल के साथ कई सेगमेंट-लीडिंग फीचर्स से लैस है।

सैमसंग इंडिया के एमएक्स बिजनेस के डायरेक्टर अक्षय एस राव ने कहा, गैलेक्सी F56 5G के लॉन्च के साथ, सैमसंग ने शक्तिशाली और भविष्य के लिए तैयार तकनीक के जरिए ग्राहकों के जीवन को बेहतर बनाने की अपनी प्रतिबद्धता दिखाई है। गैलेक्सी F56 5G युवाओं के लिए बनाया गया है, जो स्टाइलिश डिजाइन और बेहतरीन फीचर्स के साथ उनकी लाइफस्टाइल को सपोर्ट करने वाला स्मार्टफोन चाहते हैं। गैलेक्सी F56 5G हाई-रिजॉल्यूशन और शेक-फ्री वीडियो और फोटो शूट करने के लिए फ्लैगशिप-ग्रेड 50MP OIS ट्रिपल कैमरा के साथ आता है। स्मार्टफोन में बेहतरीन सेल्फी के लिए एक शानदार 12MP एचडीआर फ्रंट कैमरा भी दिया गया है। गैलेक्सी F56 5G के कैमरे कम रोशनी में भी स्पष्ट फोटो और वीडियो के लिए डिजाइन किए गए हैं। इसकी बड़ी पिक्सेल तकनीक, लो नॉइज मोड और एआई आईएसपी इसकी नाइटोग्राफी को एक अलग स्तर पर ले जाते हैं। इसमें रियर कैमरे पर 2 जूम के साथ पोर्ट्रेट 2.0 भी है जो क्रिस्प और नैचुरल बोकेह इफेक्ट देता है। यूजर्स 10-बिट एचडीआर में 4K 30 एफपीएस वीडियो भी रिकॉर्ड कर सकेंगे, जो रियल आउटपुट के लिए कलर्स की एक विस्तृत श्रृंखला को कैप्चर करने में सक्षम होगा। गैलेक्सी F56 5G में ऑब्जेक्ट इरेजर, एडिट सुझाव जैसे एडवांस्ड एआई-संचालित एडिटिंग टूल्स भी होंगे जो हर शॉट को सोशल-रेडी बनाते हैं। गैलेक्सी F56 5G केवल 7.2 mm स्लिम है और इसमें आगे और पीछे दोनों तरफ कॉर्निंग गोरिल्ला ग्लास विक्टस ® प्रोटेक्शन है, जो इसे बेहद मजबूत और साथ ही एगोनोमिक बनाता है।

निसार अहमद खान समेत 6 अधीक्षक प्रमोशन होकर बने उपशिक्षणाधिकारी

मुंबई (उत्तरशक्ति)। बृहन्मुंबई महानगरपालिका शिक्षण विभाग में प्रभारी उपशिक्षणाधिकारी की भूमिका का निर्वाह कर रहे निसार अहमद खान समेत 6 अधीक्षक को प्रमोशन देकर उपशिक्षणाधिकारी बनाया गया है।शिक्षणाधिकारी राजेश कंकाल ने उन्हें नियुक्ति पत्र सौंप कर बधाई दी। इस अवसर पर उपशिक्षणाधिकारी कीरतवर्धन कुडवे तथा उप शिक्षणाधिकारी अजय वाणी उपस्थित रहे। खान के अलावा किशन भीमा केंकरे, सायली सुनील सुर्वे, विनोद भागोजी कदम, दीपिका विनोद कुमार पाटिल तथा मुख्तार अहमद शहा को भी पदोन्नति देकर उपशिक्षणाधिकारी बनाया गया है। उपशिक्षणाधिकारी सुजाता खरे, पूर्व उपशिक्षणाधिकारी अशोक मिश्र, वरिष्ठ पत्रकार शिवपूजन पांडे, डॉ नागेश पांडे, भरत पांडे, अशफाक अहमद शाह, पत्रकार रफीक शेख, पत्रकार राजेश उपाध्याय समेत अनेक लोगों ने खुशी जाहिर करते हुए पदोन्नति प्राप्त सभी अधिकारियों को बधाई दी है।

अंधेरी में समाजसेवी स्व. श्यामाचरण पांडे स्मृति चौक का अनावरण

मुंबई (उत्तरशक्ति)। अंधेरी के अंबेवाड़ी क्षेत्र में वरिष्ठ समाजसेवक स्वर्गीय श्यामाचरण पांडे की स्मृति में निर्मित श्यामाचरण पांडे स्मृति चौक का उद्घाटन सिद्धिविनायक मंदिर ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष व मुंबई भाजपा उपाध्यक्ष आचार्य पवन त्रिपाठी व अंधेरी के लोकप्रिय विधायक मुरजी पटेल के कर-कमलों द्वारा संपन्न हुआ।

इस चौक का नवीनीकरण स्थानीय विधायक निधि से किया गया है, जो स्व. पांडे जी के सामाजिक योगदान को स्थायी रूप से स्मरण व प्रेरक बनाए रखने का एक सामाजिक प्रयास है।

कार्यक्रम में उपस्थित गणमान्य लोगों द्वारा स्व. श्यामाचरण पांडे जी के सामाजिक जीवन मे सेवा, समर्पण, सद्भावना और आमजन के प्रति उनका दुःख सुख में साथ निभाने की प्रतिबद्धता को स्मरण करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गयी, इस अवसर पर अपने पिता द्वारा किए गये सामाजिक कार्यों को याद कर भावुक हुए उनके पुत्र प्रमोद श्यामाचरण पांडेय ने कहा कि समाजसेवा तो हमें विरासत में मिली है , हम इस कार्य (समाजसेवा) को पिछड़ी दर पिछड़ी लेकर चलते का प्रयत्न करेंगे, इस चौक के नवीनीकरण से स्थानीय नागरिकों सहित मुंबई महानगर के समस्त उत्तर भारतीय समाज से जुड़े लोगों में नव उत्साह देखा गया,यह स्मृति चौक न केवल एक स्मारक है, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का प्रतीक है,

इस सुअवसर पर गुजरात के विधायक हीरा भाई सोलंकी, इन्द्रसेन उपाध्याय, सुरेंद्र दुबे, डॉ. शिवश्याम तिवारी, बाबा तिवारी, पूर्व नगरसेवक पंकज यादव, अधिवक्ता संदीप शुक्ला, उमेश दुबे, डॉ. मनोज दुबे,संजय दुबे, रामजी पांडे, उत्तम पांडे, सुभाष दुबे, अजय सोलंकी सहित अनेक गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति रही।

राष्ट्रवादी रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया की महत्वपूर्ण बैठक संपन्न

मुंबई (उत्तरशक्ति)। पार्टी संगठन को मजबूत बनाने के लिए राष्ट्रवादी रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया ने जोरदार कवायद शुरू कर दी है। इसी कड़ी में महाराष्ट्र कमिटी की एक बहुत ही महत्वपूर्ण चिंतन बैठक पक्षाध्यक्ष नामदेव साबले की उपस्थिति में चेंबूर में आयोजित की गई। इस बैठक में पक्षाध्यक्ष नामदेव साबले ने पार्टी के पदाधिकारियों को शहर से लेकर महाराष्ट्र के गांव गांव तक संगठन को हर संभव मजबूत बनाने का निर्देश दिया। यह बैठक महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष मुरलीधर गायकवाड के नेतृत्व में संपन्न हुई इस बैठक का अनुमोदन महाराष्ट्र प्रवक्ता विजय क्षीरसागर ने किया। इस बैठक में पार्टी की दशा, दिशा और वर्तमान में राजनीतिक परिदृश्य के बारे में चर्चा की गई। इसके अलावा मुंबई में उसकी राजनीतिक भूमिका क्या होनी चाहिए, इस पर चिंतन किया गया। पदाधिकारियों और कार्यकताओं के बीच समन्वय कैसे कायम रखा जाए, इस पर मंथन किया गया। मुंबई महानगरपालिका चुनाव में हमारी भूमिका क्या होगी, इस पर विचार-विमर्श किया गया। और अगले 10 दिनों में पार्टी के सभी पदाधिकारियों और कार्यकताओं की बैठक बुलाने के बारे में रणनीति बनाई गई। उस बैठक में सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। इन सभी महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा हुई, इस दौरान इन सभी मुद्दों पर राष्ट्रवादी रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया के महाराष्ट्र संपर्क प्रमुख अजय ठोंबे ने अपनी स्वीकृति दी ।

मास्टरशेफ उर्मिला आशर का अद्भुत सफर जेनस लाइफ द्वारा प्रस्तुत

मुंबई (उत्तरशक्ति)। साठ साल से उपर वरिष्ठों को उत्साहित और सार्थक जीवन जीने के लिए सक्षम बनाने के प्रति वचनबद्ध जेनस लाइफ ने अपनी 'कहानी अभी बाकी है' पॉडकास्ट श्रृंखला के माध्यम से उर्मिला आशर (गुज्जुबेन) की अद्भुत जीवन यात्रा का एक विशेष एपिसोड लॉन्च किया है। इस एपिसोड में उर्मिलाजी आशर, जिन्हें प्रेम से 'गुज्जुबेन' कहा जाता है, के असामान्य जीवन का आढावा लेते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई। सुप्रसिद्ध आरजे और लेखिका तराना राजा द्वारा होस्ट किए गए 'कहानी अभी बाकी है' के जेनस लाइफ के पॉडकास्ट का उद्देश्य साठ के पार वरिष्ठों के अनुभव और उनकी आवाज को आम लोगों तक पहुंचाना है, साथ ही उम्र के बंधन को चुनौती देना और जीवनभर अपनी महत्वाकांक्षा का पीछा करने के जुनून की सराहना करना है। उर्मिलाजी को अर्पित यह विशेष श्रद्धांजलि इस मिशन के साथ संरेखित है, जिसमें उम्र के बंधनों को पार करके सार्थक जीवन जीने वाली एक स्त्री की कहानी है। एक अत्यंत सामान्य परिवार से आकर, अपने हाथों की कुकिंग की कला को संजोते हुए, अपने परिवार का पालन-पोषण करने से लेकर मास्टरशेफ इंडिया की प्रतियोगी बनने और सत्तरी में भी सोशल मीडिया पर प्रसिद्धी हासिल करने वाली उर्मिलाजी का सफर अदम्य जुनून, खुद को दूसरी बार मौका देने और असाधारण ताकत का है। इस विशेष भाग के माध्यम से यह पॉडकास्ट उदारता, दृढ़ता और स्वाद के साथ जीते गए जीवन के विभिन्न पहलुओं को दर्शाता है। उर्मिलाजी में मौजूद उद्यमिता उडश्क्क़ 19 महामारी के दौरान खिली, जब उन्होंने घर में बनाई गई ₹लोणचीर बेचने की शुरूआत की। शुरूआती महीनों में ही उन्होंने 500 जार लोणची बेचकर उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की। कठिन परिस्थितियों में भी वह अपने परिवार के लिए हमेशा एक सहारा बनीं।

महामारी के संकट में भी उन्होंने अपने परिवार का भरण-पोषण करने का रास्ता खोज निकाला और दृढ़ता और प्रेम के साथ काम किया। मास्टरशेफ इंडिया में उनका भाग लेना न केवल उनके करियर का एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर था; बल्कि उनके व्यक्तिगत जीवन में भी एक मील का पत्थर था, जिससे उनकी जीवन में निरंतर रुचि खोजने की प्रवृत्ति और जीवन को नकारते हुए सपने देखने की हिम्मत दिखाई दी। उर्मिलाजी आशर को अर्पित यह श्रद्धांजलि जीवन को पूर्णता से, प्रेम देकर जीने और वृद्धावस्था में भी अपनी क्षमताओं पर विश्वास बनाए रखने की गवाही देती है।

शादी में बाउंसर सेवा देने से इनकार किया, बॉडीगार्ड पर जान लेवा हमला

मामूली धारा लगाकर पुलिस आरोपियों को बचाने में जुटी

उल्हासनगर(उत्तरशक्ति)। उल्हासनगर के कैंप नंबर चार विठ्ठलवाड़ी पुलिस ठाणे हद के आशेलेगांव में गुरुवार रात एक निजी बॉडीगार्ड पर लोहे के रॉड, बेल्ट और थप्पड़ों से हमला किए जाने की घटना सामने आई है। इस हमले में घायल हुआ बॉडीगार्ड राजु धनेश साव (35) विजय जोशी के यहां अंगरक्षक के रूप में कार्यरत है।

जानकारी के मुताबिक, स्वप्नील कडु नामक युवक के घर शादी थी, जिसमें वह राजु को बाउंसर सेवा के लिए बुलाना चाहता था। लेकिन राजु पहले से ही विजय जोशी के यहां ड्यूटी पर होने के कारण यह सेवा देने में असमर्थ था। इसी बात से नाराज होकर गुरुवार रात भक्तीपीठ मंदिर के पास स्वप्नील कडु ने अपने दो साथी गोट्या और बंटी के साथ मिलकर राजु के ऊपर लोहे के रॉड, बेल्ट से जमकर पिटाई कर दी।

राजु किसी तरह वहां से बचकर भागा, लेकिन आरोपियों ने पीछा करते हुए घर तक आ गए और उसकी बहन के सामने रॉड से हाँथ फैक्कर कर दिया । गंभीर रूप से घायल राजु ने विठ्ठलवाड़ी पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराने पहुंचा लेकिन विठ्ठलवाड़ी पुलिस मामूली धारा लगाकर आरोपियों को बचाने में लगी है ऐसा पीड़ित का कहना है।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय :
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

कुबा हॉस्पिटल में निशुल्क चिकित्सा,एवं जांच शिविर का हुआ आयोजन,लगभग सौ मरीजों को मिला लाभ

-विशाल सोनी

शाहगंज, जौनपुर(उत्तरशक्ति)। नगर के जौनपुर रोड स्थित कुबा मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल में सर सैयद हॉस्पिटल एंड मॉडर्न डायग्नोस्टिक सेंटर के संयुक्त तत्वधान में निःशुल्क परामर्श एवं जांच कैंप का आयोजन किया गया।इस दौरान लगभग 100 मरीजों के स्वास्थ की निःशुल्क जांच के साथ साथ शुगर और ब्लड की मुफ्त जांच भी गई ।तथा अल्ट्रासाउंड और सीटी स्कैन और एक्स रे,जैसी बड़ी जांच पर 50 प्रतिशत छूट भी दी गयी। इस दौरान न्यूरो सर्जन डॉ अजफर जमाल ने माइग्रेन,लकवा,मिर्गी के दौरे मस्तिष्क एवं दिमाग की गांठों से संबंधित मरीजों को निःशुल्क परामर्श दिया,मीडिया से बातचीत के दौरान डॉक्टर अजफर ने कहा कि शाहगंज समेत आस पास के गांव और देहातों में बड़ी संख्या में न्यूरो से संबंधित मरीज हैं। लेकिन सही समय पर जांच और सही परामर्श न होने के कारण आए दिन यहां लोग गंभीर बीमारियों से जान गंवा रहे हैं,ऐसे में इस कैंप का मकसद गांव देहातों के मरीजों को जागरूक करना है। ताकि उन्हें न्यूरो से संबंधित रोग की सही जानकारी देने के साथ साथ सही इलाज दिया जा सके। वहीं डॉक्टर फारूक अरशद ने मीडिया से बातचीत के दौरान कहा कि मॉडर्न डायग्नोस्टिक सेंटर की ओर से यह स्वास्थ्य जांच कैंप जनहित में आयोजित किया गया है। ताकि अधिक से अधिक लोग जांच सुविधाओं का लाभ उठा सकें। सीटी स्कैन और अल्ट्रासाउंड जैसी महत्वपूर्ण जांचों पर 50 प्रतिशत की छूट देकर हमारा उद्देश्य लोगों को समय पर और सटीक निदान उपलब्ध कराना है, हमारा मानना है कि समय रहते जांच और इलाज से कई गंभीर बीमारियों को रोका जा सकता है,भविष्य में भी हम इस तरह के कैंप आयोजित करते रहेंगे ताकि समाज में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़े ।उक्त मौके पर डॉक्टर पंकज सोनी, कुबा इंटरनेशनल स्कूल के मैनेजर मौलाना अबरार नदवी समेत दर्जनों गणमान्य उपस्थित रहे।

निजी अल्ट्रासाउंड केंद्रों पर दिखेगी गर्भवती के चेहरे पर मुस्कान!

* गर्भवती का जिला चिकित्सालय, सीएचसी और पीएचसी पर होगा पंजीकरण
* 84 जाँच केन्द्रों को किया गया चिन्हित, मुफ्त में मिलेगी अल्ट्रासाउंड की सुविधा

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद में अब गर्भवती महिलाओं के लिए खुशखबरी है। सरकारी अस्पताल में अल्ट्रासाउंड जांच की सुविधाएं नहीं मिल पाती है तो गर्भवती को घबराने की जरूरत नहीं है। उनके चेहरे पर मुस्कान बरकरार रहेगी। सरकार ने कुछ ऐसी ही व्यवस्था की है जिससे उन्हें किसी प्रकार की परेशानियों का सामना नहीं करना पड़ेगा। निजी जांच केंद्रों पर उन्हें अल्ट्रासाउंड की सुविधा मिलेगी और उसके बदले गर्भवती को किसी प्रकार का शुल्क नहीं देना पड़ेगा। इसके लिए आशा कार्यकताओं ने सीएचसी और पीएचसी पर गर्भवती का पंजीकरण कराना शुरू कर दिया है। ऐसे में अभी 84 निजी जांच केंद्रों को चिन्हित किया गया है। इसकी जानकारी मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ संदीप चौधरी ने दी । सीएमओ ने बताया कि सीएचसी व पीएचसी पर अल्ट्रासाउंड की सुविधा न मिलने पर उन्हें निजी जांच केंद्रों पर भेजा जाएगा। सीएचसी व पीएचसी प्रभारी की ओर से गर्भवती महिलाओं को ई- बाउचर उपलब्ध कराये जायेंगे। निजी केंद्रों को सरकार की ओर से भुगतान किया जाएगा।उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी एवं कार्यक्रम के नोडल अधिकारी डॉ एचसी मौर्या ने बताया कि इस सुविधा के लिए स्वास्थ्य विभाग गर्भवती महिलाओं का पंजीकरण कर रहा है। यह सुविधा सभी 84 निजी केंद्रों पर शुरू कर दी गई है गर्भवती महिलाओं के लिए यह बड़ी सौगात है, जिले के ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र में स्थित 14 सीएचसी और 57 पीएचसी पर प्रतिदिन सैकड़ों गर्भवती महिलाओं को इलाज के लिए जांच करवानी पड़ती है। ज्यादातर केंद्रों पर अल्ट्रासाउंड मशीन न होने और रेडियोलाजिस्ट के अभाव में समस्या बनी रहती है। ऐसे में गर्भवती महिलाओं को जांच के लिए निजी केंद्रों का सहारा लेना पड़ता है।

उन्होंने बताया कि किसी कारणवश सरकारी अस्पतालों में अल्ट्रासाउंड व अन्य जांच नहीं हो पाएगी तो उन्हें निजी जांच केंद्रों पर भेजा जाएगा। इसका पूरा खर्च सरकार उठाएगी। इसके लिए आसपास मौजूद निजी डायग्नोसिस सेंटरों को सीएचसी व पीएचसी से संबद्ध किया जा रहा है। मोबाइल पर मिलने वाले इस ई-बाउचर को दिखाकर निजी जांच केंद्रों पर जांच कराई जा सकेगी।

दहेज हत्या में वांछित आरोपी इटैली बाजार के पास से गिरफ्तार

आजमगढ़ (उत्तरशक्ति)। जिले के मेंहनाजपुर थाना क्षेत्र में दहेज हत्या के मामले में दो व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया है। इस मामले में पीड़िता इंदु देवी ने पुलिस को शिकायती पत्र देकर आरोप लगाया था कि मेरी बेटी शीतल देवी और गुड्डू ने एक वर्ष पहले कोर्ट मैरिज किया था। कोर्ट मैरिज के बाद भी गुड्डू और उसके पिता नंदू द्वारा दहेज के लिए लगातार प्रताड़ित किया जा रहा था। यही कारण है कि आए दिन मेरी बेटी के साथ मारपीट की घटना को अंजाम दिया जाता था। पुलिस को दिए शिकायती पत्र में पीड़िता ने आरोप लगाया कि 7 मई को साजिश के तहत मेरी बेटी को जहर दिया गया जिसके कारण बेटी शीतल की मौत हो गई। पीड़िता की शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामले में मुकदमा दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी। इस मामले की विवेचना लालगंज के क्षेत्राधिकारी द्वारा की जा रही है।

इस मामले की विवेचना कर रहे सब इंस्पेक्टर राजेंद्र कुमार ने बताया कि घटना में शामिल आरोपी गुड्डू और नंदू की तलाश की जा रही थी। इसी बीच पुलिस को सूचना मिली कि आरोपी इटली बाजार में तिराहे के पास खड़े हैं। और कहीं फरार होने वाले हैं। इस सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों आरोपियों को हिरासत में ले लिया है। आरोपियों को न्यायालय भेजा जा रहा है जहां से जेल रवाना किया जाएगा। पुलिस का कहना है कि मामले में वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

एटीएम में पैसे ना होने से हलकान उपभोक्ता

केराकत , जौनपुर (उत्तरशक्ति)। इन दिनों लग्न मुहूर्त चलने से वैवाहिक आयोजन हर शहर हर गांव में स्वाभाविक तौर पर हो रहे है जिसमे लोगों को काफी धन राशि की भी आवश्यकता होती है लोग दिन रात एक कर काफी मशक्कत के बाद एक एक पाई जोड़ कर बैंक में पैसे जमा करके इसी दिन के लिए रखते हैं। और यही पैसा आपके जरूरत पर यदि ना मिले तो? क्या आपके साथ बेईमानी नहीं होगी? जिहा हम बात कर रहे है स्टेट बैंक एटीएम की जो खुला तो रहता है पर उसमे पैसे रिफि ल नहीं किए जाते। शुक्रवार से ही स्टेट बैंक के एटीएम में पैसे नहीं है बस उसे शोपिस की भांति खोलकर उपभोक्ताओं को बेवकूफ बनाने का काम किया जा रहा है। उपभोक्ता एटीएम में आ रहे है तो उनको निराशा ही हासिल हो रहा है । अब इस समय जबकि उपभोक्ताओं को निकासी की सख्त आवश्यकता है तो बैंक एटीएम द्वारा धोखा मिलना स्टेट बैंक के बेहतरी के पक्ष में तो बिल्कुल नहीं है। ऐसा ना हो की आने वाले समय में स्टेट बैंक से उपभोक्ताओं का मोह भंग ना हो जाये । जिम्मेदार लोगों को इसकी सुध लेनी ही पड़ेगी।

बेटियों का फर्जी चालान करने का आरोप

पिड़ित द्वारा मुख्यमंत्री पोर्टल के माध्यम से न्याय की गुहार लगाई

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। जलालपुर थाने के एक दरोगा द्वार बेटियों का फर्जी चालान करने का मामला अब तूल पकड़ने लगा है। आरोप है कि कूड़ा रखने के विवाद में पुलिस ने विपक्षियों से मिली भगत कर थाने के सामने एक झूठी मारपीट की घटना दशार्ते हुए एक पक्षीय कार्रवाई की और पिता समेत दो बेटियों का शांतिभंग में चालान कर दिया। इतना ही नहीं पुलिस ने इन सभी के विरुद्ध मारपीट का केस भी दर्ज कर दिया है।पिड़ित द्वारा मुख्यमंत्री पोर्टल के माध्यम से न्याय की गुहार लगाई गई है। घटना जलालपुर थाना क्षेत्र के जगदीशपुर गांव की है।आरोप है कि घर के सामने चारा मशीन के पास उनके पड़ोसी ने गंदगी फैलाने की नीयत से कूड़ा फेंक दिया। जब उनके परिवार ने सफाई का प्रयास किया तो पड़ोसियों से विवाद हो गया,जो हाथापाई तक पहुंच गया। पिड़ित की सूचना पर पहुंची डायल 100 पुलिस दोनों पक्षों को थाने भेजा।पीड़ित पक्ष का आरोप है कि थाने पहुंचने के बाद पुलिस ने विपक्षियों से मिलीभगत कर उल्टे उनके विरुद्ध ही कार्यवाही की और पिता समेत दो बेटियों को घंटों थाने में बैठाए रखा। इसके बाद शाम को पुलिस ने थाने के सामने हुई कथित मारपीट की झूठी कहानी बनाकर तीनों का चालान कर दिया।पीड़ित परिवार ने मुख्यमंत्री पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराते हुए दरोगा के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। साथ ही थाने में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज निकलवा कर जांच कर दोषियों को सजा दिलाने की मांग की जा रही है। मामला सामने आने के बाद जलालपुर पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठने लगे हैं और पुलिस की चौतरफा किरकिरी हो रही है। झगड़े से जुड़ा एक वीडियो भी वायरल हो रहा है जिसमें यह साफ दिखाई दे रहा है कि पीड़ित पक्ष की बेटी कूड़ा साफ कर रही है और पड़ोस की औरत कूड़ा साफ करने का विरोध करते हुए कूड़ा फैला रही है।

चाचा भतीजी को लेकर हुआ फरार,चर्चाओं का बाजार हुआ गर्म

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। बरसठी थाना क्षेत्र के एक गांव का चाचा अपनी सगी ही भतीजी को लेकर फरार हो गया। इस घटना को सुनने के बाद चर्चाओं का बाजार गर्म है लोग दुकानों पर तरह-तरह की बातें कर रहे है।प्राप्त जानकारी के अनुसार मुस्लिम समुदाय के चाचा और सगी भतीजी एक दूसरे से बहुत ही ज्यादा प्यार करते थे। चाचा की उम्र लगभग 45 वर्ष और भतीजी की उम्र लगभग 20 वर्ष है 20 अप्रैल को दिन में दोपहर 3 बजे चाचा भतीजी को लेकर कही भाग गया। परिवार के अन्य लोगों ने काफी खोजबीन किया लेकिन उसका कही अता-पता नहीं चल सका है तहरीर के आधार पर पुलिस हर पहलु पर जांच पड़ताल में जुटी हुई है थाना प्रभारी राजेश यादव ने बताया कि मुकदमा पंजीकृत कर लिया गया है चाचा की खोज की जा रही है सूत्रों के अनुसार चाचा का पूरा परिवार घर छोड़कर फरार है।

जौनपुर की जानी-मानी हस्ती साहित्यकार डॉ पी सी विश्वकर्मा का हुआ निधन फैली शोक की लहर

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। जिले की विधिक, साहित्यिक व सामाजिक दुनिया में गहरी छाप छोड़ने वाले डॉ. पी.सी. विश्वकर्मा का आज सुबह निधन हो गया। वह 74 वर्ष के थे और कुछ समय से अस्वस्थ चल रहे थे। उनका निधन उनके आवास, परमानतपुर निकट मैहर मंदिर में हुआ। उनके निधन की खबर से शिक्षा, न्याय और साहित्य जगत में शोक की लहर दौड़ गई।डॉ. विश्वकर्मा का जीवन बहुआयामी उपलब्धियों से भरा रहा। वह वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के विधि विभाग में डीन पद पर कार्यरत रह चुके थे। इसके अलावा तिलकधारी महाविद्यालय में विधि विभाग के वरिष्ठ प्राध्यापक के रूप में उन्होंने छात्र-छात्राओं को वर्षों तक शिक्षा दी और उन्हें न्याय की राह पर चलने की प्रेरणा दी। केवल शिक्षाविद ही नहीं, अपितु एक कुशल विधिवेत्ता के रूप में भी पहचाने जाते थे। अपने कार्यकाल में उन्होंने जिले के उपभोक्ता फोरम के सदस्य के रूप में भी सक्रिय भूमिका निभाई, जहां उन्होंने आम जनमानस के अधिकारों की रक्षा के लिए सदैव तत्परता दिखाई। साहित्य में उनकी रुचि विशेष रही। वे एक प्रख्यात शायर के रूप में भी लोकप्रिय थे। उनके काव्य और शायरी में समाज की गहराइयों को छूने की अद्भुत क्षमता थी। वे एक संवेदनशील समाजसेवी के रूप में भी हमेशा जरूरतमंदों के साथ खड़े रहे।डॉ. पी.सी. विश्वकर्मा के निधन से जिले ने एक बहुआयामी व्यक्तित्व को खो दिया है। उनके अंतिम दर्शन के लिए उनके आवास पर सुबह से ही शुभचिंतकों, विद्यार्थियों, सहकर्मियों और समाज के विभिन्न वर्गों के लोगों का तांता लगा रहा।

उत्तरशक्ति हिन्दी दैनिक खबर का हुआ असर

विधवा की जमीन जांच पड़ताल करने पहुंचे लेखपाल व पुलिस

-विशाल सोनी

शाहगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शनिवार की शाम कोतवाली क्षेत्र के हुसैनाबाद निवासी खुशबू यादव पत्नी स्व.ईश्वर लाल के घर कोतवाली पुलिस और हल्का लेखपाल सदानंद भट्ट ने पहुंच कर विधवा महिला के जमीनी विवाद की पूरी जानकारी ली। पूछने पर हल्का लेखपाल सदानंद भट्ट ने बताया के एक विधवा महिला खुशबू यादव ने शनिवार को कोतवाली पुलिस को प्राथना पत्र दिया था।जिसमें कहा गया की दबंगों द्वारा हमारी जमीन पर बन रहे सरकारी कॉलोनी को जबरन रोक रह है । लेखपाल सदानंद भट्ट ने आगे बताया कि मामले को तत्काल संज्ञान में लेते हुए तहसीलदार आशीष सिंह के निदेश पर मौका मुआयना किया गया । और उक्त महिला को आश्वासन दिया गया कि अब अगर कोई अड़चन डालता है ।तो इसकी सूचना पुलिस को दे और कठोर कार्रवाई की जाएगी। गौरतलब है कि उक्त मामले को उत्तरशक्ति हिन्दी दैनिक के शाहगंज तहसील संवाददाता ने प्रमुखता से खबर प्रकाशित किया था। खबर को संज्ञान में लेते हुए तहसील प्रशासन तत्काल हरकत में आ गया था।

भैंस ने महिला को मारा, मामला पहुँचा पुलिस के पास

शाहगंज,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। जब इंसान का इंसान से कुछ विवाद हो जाये तो समझ मे आता है।मगर यहां मामला इंसान और एक भैंस के बीच का है जिसे हल करने में पुलिस भी हैरान है।बताया जाता है कोतवाली क्षेत्र के ग्राम कोपा निवासी अनीता चौहान पत्नी सुबोध चौहान लगभग दो सप्ताह पूर्व अपने भैंस को चरा रही थी की तभी भैंस को रास्ते से हटाने के चक्कर मे गॉव निवासी लगभग 40 वर्षीय महिला सुदामा को भैंस ने मार दिया। जिससे वह घायल हो गयी। अब घायल महिला ने भैंस की मालकिन अनीता से मुआवजा मांगा । और भैंस की मालकिन ने कुछ दवा आदि कराया मगर पीड़ित इससे सन्तुष्ट नही हुआ। और मामला पहुंच बीबीगंज पुलिस चौकी पहुंच गया।पूरा मामला सुन कर पुलिस भी हैरान हो गयी। की इसका हल कैसे निकलेगा। दवा आदि के खर्चे पीड़ित को देने को पुलिस ने भैंस की मालकिन को देने के लिए कहा। रविवार को उक्त भैंस की मालकिन अनीता चौहान कोतवाली पहुंच गई और आरोप लगाया की छोटे से मामले की आड़ में मोटी रकम की मांग की जा रहीं है। फिलहाल खबर लिखे जाने तक अभी इस मामले का कोई हल नही निकल सका था।

दबंगों ने युवक को मारपीट कर किया मरणासन्न, पुलिस जांच पड़ताल में जुटी

शाहगंज,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। एक युवक को गाली गलौज का विरोध करना बहुत भारी पड़ गया।जिससे उसे दबंगों ने उसे बुरी तरह मारपीट कर मरणासन्न अवस्था मे छोड़ कर भाग गए।बताया जाता है की कोतवाली क्षेत्र के ग्राम ताखा शिवपुर निवासी 25 वर्षीय विशाल पुत्र सूबेदार शनिवार की रात मछली खरीदने गया था। आरोप है की वहीं पर मौजूद गॉव के चार पांच की संख्या में दबंग युवकों ने उसे गाली गलौज दिया। जिसकी शिकायत उनके घर वालो से किया गया तो वह सब गोल बंद होकर गाँव के बाहर बने पुलिया के पास एक निमंत्रण से लौटते समय उसपर हमला कर दिया। और लाठी डंडे से मारपीट कर मरणासन्न अवस्था मे छोड़ कर भाग गए।फिलहाल रविवार की सुबह पीड़ित ने कोतवाली पुलिस को लिखित तहरीर देकर कार्यवाई की मांग की।कोतवाली पुलिस मामले की जांच पड़ताल में जुटी है।

सागर विश्कर्मा नामक युवक ने फाँसी लगाकर की आत्महत्या

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद के लालपुर पांडेयपुर थाना के पांडेयपुर चौकी अंतर्गत हुकुलगंज दुर्गा मंदिर के पीछे सागर विश्कर्मा नामक 30 वर्षीय युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर लिया। वहां मौजूद क्षेत्रीय लोगो के अनुसार मृतक चार भाई बहनों में तीसरे नम्बर पर था और एक प्राइवेट कंपनी में कार्य करता था परिवार वालो की माने तो आत्महत्या का कारण कर्जदारों का प्रेशर आज काम से आने के बाद कमरे में गया और नैनोल कि रस्सी से पंखे के सहारे लटक गया। परिवार को जानकारी होने के बाद क्षेत्रीय लोगो की मदद से दरवाजे को तोड़कर रस्सी काटकर मृतक को उतार पंडित दीनदयाल हॉस्पिटल ले जाया गया। जहां डॉक्टर ने सागर को मृत घोषित कर दिया।मौके पर पहुची स्थानीय पुलिस ने बॉडी को मर्चरी में भिजवाया।

सरपतहाँ पुलिस दहेज हत्या से सम्बन्धित चार आरोपियों को किया गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थाना सरपतहाँ पुलिस टीम द्वारा दहेज हत्या से सम्बन्धित 04 आरोपियों को किया गया गिरफ्तार। पुलिस अधीक्षक जौनपुर द्वारा अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे ।अभियान में अपर पुलिस अधीक्षक नगर के दिशा निर्देशन एवं क्षेत्राधिकारी शाहगंज के पर्यवेक्षण में थाना सरपतहाँ पुलिस टीम द्वारा प्र0नि0 अमित कुमार सिंह के नेतृत्व में उ0नि0 अरविन्द कुमार यादव मय हमराह पुलिस टीम द्वारा मु0अ0स0-106/2025 धारा 85,80(2) इठर व ३ डी0पी0 एक्ट थाना सरपतहाँ से सम्बन्धित वांछित आरोपीगण किशन कुमार पुत्र दूधनाथ निवासी सरायमोहउद्दीन थाना सरपतहाँ उम्र करीब 26 वर्ष 2. दुधनाथ पुत्र स्व0 देवराज निवासी सरायमोहउद्दीन थाना सरपतहाँ उम्र करीब 60 वर्ष 3. सन्ध्या देवी पत्नी दूधनाथ निवासी सरायमोहउद्दीन थाना सरपतहाँ उम्र करीब 55 वर्ष 4. नेहा पुत्री दूथनाथ निवासी सरायमोहउद्दीन थाना सरपतहाँ उम्र करीब 29 वर्ष को दिनांक 10.05.2025 को समय 10.40 बजे रात्रि मछली मार्केट सरायमोहिद्दीनपुर से गिरफ्तार किया गया । आवश्यक विधिक कार्यवाही की जा रही है ।

जौनपुर:विधिक जानकारी के लिए जन जागृति कार्यक्रम हुआ आयोजित

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिला विधिक प्राधिकार के तत्वधान में ग्राम खानपट्टी सिकरारा के मां श ारदा इंटर कॉलेज में जनजागृति कार्यक्रम करवाया गया।कार्यक्रम की अध्यक्षता न्यायाधीश ने की .साथ में विधिक प्राधिकार टीम के डॉ दिलीप सिंह ,देवेन्द्र यादव, चंदन राय बाल कल्याण विभाग से और महिला चिकित्सालय की वरिष्ठ परामर्शदाता डॉ सीमा सिंह, उत्कृष्ट राही मौजूद रहे।सीमा सिंह ने उपस्थित बच्चो को भ्रूण हत्या एक्ट के बारे में बताया और राष्ट्र निर्माण में नारी की भागीदारी के साथ समाज में समानता बनाए रखने के लिए।महिलाओ को कानून के दुरुपयोग से भी बचने की बात अपने अभिभाषण में की,स्वस्थ राष्ट्र के लिए नारी पुरुष वाद से ज्यादा जरूरी है,ऐसा अनहोने कहा अपने वक्तव्य में कार्यक्रम में कहा,जिला विधिक संयोजक ने बच्चों को जागरूक और सशक्त बनाने के लिए बहुत सी जानकारी दी ,राष्ट्र सरोपारी है के साथ कार्यक्रम समाप्त किया गया और वही अमित सिंह कार्यक्रम आयोजक मौजूद रहे।

जौनपुर :विधिक जानकारी के लिए जन जागृति कार्यक्रम हुआ आयोजित

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिला विधिक प्राधिकार के तत्वधान में ग्राम खानपट्टी सिकरारा के मां शारदा इंटर कॉलेज में जनजागृति कार्यक्रम करवाया गया।कार्यक्रम की अध्यक्षता न्यायाधीश ने की .साथ में विधिक प्राधिकार टीम के डॉ दिलीप सिंह ,देवेन्द्र यादव, चंदन राय बाल कल्याण विभाग से और महिला चिकित्सालय की वरिष्ठ परामर्शदाता डॉ सीमा सिंह, उत्कृष्ट राही मौजूद रहे।सीमा सिंह ने उपस्थित बच्चो को भ्रूण हत्या एक्ट के बारे में बताया और राष्ट्र निर्माण में नारी की भागीदारी के साथ समाज में समानता बनाए रखने के लिए।महिलाओ को कानून के दुरुपयोग से भी बचने की बात अपने अभिभाषण में की,स्वस्थ राष्ट्र के लिए नारी पुरुष वाद से ज्यादा जरूरी है,ऐसा अनहोने कहा अपने वक्तव्य में कार्यक्रम में कहा,जिला विधिक संयोजक ने बच्चों को जागरूक और सशक्त बनाने के लिए बहुत सी जानकारी दी ,राष्ट्र सरोपारी है के साथ कार्यक्रम समाप्त किया गया और वही अमित सिंह कार्यक्रम आयोजक मौजूद रहे।

يسرٰی حکیمی دواخانہ Regd.No20230048

युसरा हकीमी दवाखाना

हमारी कोशिश आपका विश्वास...

उपलब्ध सुविधायें-
- गठिया व जोड़ो के दर्द का इलाज
- बवासीर का इलाज बगैर आपरेशन के
- चर्म रोग व पेट की तमाम बीमारियों का इलाज
- बालों का झड़ना, सफेद दाग मुहासे व छाइयों का इलाज होता है।
- नि:संतान का अचूक इलाज
- शुगर कन्ट्रोल का इलाज

मंगलवार बंदी बाकी दिन का सुबह 10 बजे से रात 8 बजे तक

Mob.: 9198443844, 8960275665

नोट- पुरुषों व महिलाओं के गुप्त रोगों से सम्बन्धित सभी प्रकार के रोगों का ईलाज किया जाता है।

अब हर जुमा को सुबह 10 बजे से 11 बजे तक

सफेद दाग के मरीजों को मुफ्त दवा मिलेगी यह सन् 2025 के अन्त तक जारी रहेगा।

पता- बड़ी मस्जिद, पूर्वी गेट के सामने जौनपुर (उ.प्र.)

चलती ट्रेन से महिला का पर्स छीनकर भागे बदमाश, एक हुआ गिरफ्तार

बदमाश के हमले में आरपीएफ जवान व पॉइंट मैन हुए चुटहिल

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जफराबाद क्षेत्र के नाथुपुर गांव के पास रविवार की भोर में चलती ट्रेन से महिला का पर्स छीनकर भागने वाले बदमाश को आरपीएफ के जवान व रेलवे के एक पॉइंट मैन ने दबोच लिया।दो बदमाश भाग निकले।बदमाश को पकड़ने में आरपीएफ का जवान व एक रेलवे का पॉइंट मैन घायल हो गए।कर्नाटक के नवलकुंद थाना क्षेत्र के तिरलापुर गांव निवासी वेंकटेश रेड्डी अपनी पत्नी रत्ना रेड्डी के साथ अयोध्या से भगवान श्रीरामजी का दर्शन पूजन करने आये थे।दर्शन करने के बाद रविवार की रात को दम्पति लखनऊ से छपरा जाने वाली 15054 लखनऊ छपरा एक्सप्रेस पर सवार हो गए।वे वाराणसी जा रहे थे।ट्रेन जैसे ही जफराबाद स्टेशन के नजदीक नाथुपुर गांव के पास पहुंची।ट्रेन की रफ्तार थोड़ी कम हुई थी।उसी समय वेंकटेश रेड्डी अपनी पत्नी के साथ बाथरूम आये थे।उनकी पत्नी बाथरूम के बाहर खड़ी थी।तभी एक बदमाश ऊक्त महिला का पर्स लेकर चलती ट्रेन से कूद गया।महिला शोर मचाने लगी।ट्रेन की लोगो ने चैन पुलिंग कर दिया पर्स में महिला के दो मोबाइल फोन,ईयर फोन, एक नवरत्न की अंगूठी व एक हजार रुपये थे।ट्रेन चार बजकर 50 मिनट पर जफराबाद स्टेशन और आकर रुक गयी।दम्पति ट्रेन से उतर गए।चैन पुलिंग होते ही मौके पर आरपीएफ के जवान उमाशंकर भाग कर पहुंच गए।घटना की जानकारी होते ही वे तत्काल बदमाश जिस तरफ भागे थे।उधर दौड़ कर जाने लगें।उनके साथ वहां काम कर रहे पॉइंट मैन फकरे आलम भी दौड़ पड़े।दोनों ने एक बदमाश को पकड़ने का प्रयास किया।बदमाश ने दोनों पर हमला कर दिया।दोनो के सिर हाथ व चेहरे पर चोट भी आयी।उसके बाद भी दोनो ने एक बदमाश को पकड़ लिया।उसके बाद 112 डायल कर सिविल पुलिस को बुलाया।पुलिस व आरपीएफ के जवान सहित जफराबाद थाने पर आये।वहां पीड़ित दम्पति भी आ गए।आरपीएफ के जवान ने बताया कि बदमाश के पास चार मोबाइल फोन,दो सोने की चैन,ईयर फोन आदि थे।जफराबाद थानाप्रभारी जयप्रकाश यादव ने बताया कि घटना में पकड़ा गया बदमाश लाल मोहम्मद पुत्र आदिल निवासी नेवादा थाना पट्टी जनपद प्रतापगढ़ का है।

कैंट थाना क्षेत्र में दरोगा के घर से लाखों की चोरी

डॉ.एस.के.मिश्र

वाराणसी(उत्तरशक्ति) । जनपद के कैंट थाना क्षेत्र के फुलवरिया इलाके के वरुणपुरी कॉलोनी में दरोगा के घर लाखों की चोरी, दरोगा राम अवध सिंह परिवार सहित अपने भतीजे के शादी समारोह में शामिल होने चंदौली गए हुए थे, तभी चोरों ने इस घटना को अंजाम दिया। सूचना के बाद पहुंची पुलिस घटना की छानबीन में जुटी रही। जब वह शादी समारोह से लौटे तो पाया कि घर के दरवाजा का ताला टूटा हुआ था और अंदर अलमारी खुली पड़ी थी।और सारा सामान बिखरा पड़ा था। उनका कहना है चोरों ने सोने की चैन, अंगूठी, मंगलसूत्र, पायल, पुराने सोने के कड़े, और सोने की बंद बाजू शामिल है। इसके अलावा कुछ महत्वपूर्ण कागज भी गायब है। पुलिस मौके पर पहुंच कर जांच में जुटी है।

बलरामपुर में गाय के बछड़े को कारचालक ने रौंदा

बलरामपुर (उत्तरशक्ति)। बलरामपुर जिले में पशुक्रुरता को लेकर घटना न केवल दिल दहला देने वाली है बल्कि पशु क्रूरता की एक स्पष्ट मिसाल भी है। बलरामपुर जिले में बोलेरो चालक द्वारा एक गाय के बछड़े को जानबूझकर कुचलना और 10 मीटर तक घसीटना बेहद निंदनीय है। यह दुखद है कि ऐसी घटनाएं बार-बार होती हैं और फिर भी जिम्मेदार लोग अक्सर कार्रवाई से बच निकलते हैं। पत्रकार नान बाबू चौहान की संवेदनशीलता और तत्परता सराहनीय है, जिन्होंने तुरंत 1962 पर कॉल कर एंबुलेंस मंगाई और घायल बछड़े को उपचार दिलवाया। डॉ. राजेंद्र शुक्ला और उनकी टीम ने समय पर पहुंचकर जो इलाज किया, वह भी प्रशंसनीय है। इस घटना पर सरकार और प्रशासन को चाहिए कि दोषी बोलेरो चालक की पहचान कर उसके विरुद्ध पशु क्रूरता अधिनियम के तहत सख्त कार्रवाई करे। उस क्षेत्र में उउळश लगाए जाएं ताकि ऐसी घटनाएं रिकॉर्ड हो सकें और अपराधियों को पकड़ना आसान हो। पशु सुरक्षा को लेकर लोगों में जागरूकता बढ़ाई जाए।

लकड़ी का काम कर रहे युवक की औजार में करेंट आने से मौत

चंदवक, जौनपुर(उत्तरशक्ति)। स्थानीय चकरा गांव निवासी 42 वर्षीय संजय कुमार की रविवार दोपहर करंट की चपेट में आने से मौत हो गई। वह बढ़ईगिरी का कार्य करते थे और लेवरुआ गांव में सोनू यादव के यहां लकड़ी का फ्रेम बनाने का काम कर रहे थे। इस दौरान वह रंदा मशीन विद्युत से चला रहे थे, तभी मशीन में करंट आ गया और उसकी चपेट में आकर संजय कुमार की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कानूनी कार्रवाई की। हादसे के बाद गांव में शोक की लहर दौड़ गई है।

बच्चों के सूफी संगीत और लाइव बैंड की प्रस्तुति ने जीता दर्शकों का दिल

पटना(उत्तरशक्ति)। तानसेन स्कूल ऑफ म्यूजिक द्वारा आयोजित दो दिवसीय तानसेन 9वीं मेगा म्यूजिक एंड डांस फेस्टिवल - 2025 का समापन रविवार को स्थानीय मौलाना मजहरुल हक ऑडिटोरियम में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम का उद्घाटन तानसेन स्कूल ऑफ म्यूजिक के सीईओ कैप्टन आशुतोष कुमार व एमडी वंदना कुमार के द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत संस्थान के बच्चों द्वारा लाइव बैंड से की गई जिसे देख दर्शकों की तालियां बजती रही। इसके बाद बच्चों ने एक से बढ़कर एक भजन की प्रस्तुति देकर सबका मन मोह लिया। वहीं सूफी संगीत और डांस की प्रस्तुति ने भी दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर दिया। आगत अतिथियों ने तानसेन स्कूल द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम की सराहना की और बच्चों के उज्जवल भविष्य की कामना की। तानसेन स्कूल ऑफ म्यूजिक के सीईओ कैप्टन आशुतोष कुमार ने बताया कि इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए संस्थान के बच्चों काफी मेहनत की है। उन्होंने कहा कि इस दो दिवसीय फेस्ट में तानसेनाईट ऑफ द ईयर - 2024-25 दिपांश्य मिश्रा (पाटलिपुत्र ब्रांच), अन्वी जायसवाल (कंकरबाग ब्रांच), रुद्राक्ष (गोला रोड ब्रांच), रनर अप तानसेनाईट ऑफ द ईयर - 2024-25 साम्भवी सिंह (पाटलिपुत्र ब्रांच), अर्णव बर्नवाल (कंकरबाग ब्रांच), प्रज्ञा (गोला रोड ब्रांच) ने खिताब जीता है। जबकि हेरिटेज ऑफ तानसेन का खिताब अवनि (पाटलिपुत्र ब्रांच), आव्या (कंकरबाग ब्रांच) ने जीता। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम में बेस्ट भरतनाट्यम ऑफ द ईयर, बेस्ट गिटारिस्ट ऑफ द ईयर, बेस्ट कत्थक डांसर ऑफ द ईयर, पर्सनालिटी ऑफ द ईयर, बेस्ट फाइन आर्ट्स, बेस्ट सिंगर, बेस्ट वेस्टर्न डांसर का भी अवार्ड बच्चों को दिया गया है।

कब्रिस्तान में फंदे से लटकता मिला प्रेमी का शव

बाराबंकी (उत्तरशक्ति)। बाराबंकी जिले के जैदपुर क्षेत्र से शनिवार को प्रेम प्रसंग में घर छोड़ कर गए एक युवक का शव रविवार को सफदरगंज क्षेत्र में कब्रिस्तान के अंदर संदिग्ध हालात में फंदे से लटकता मिला। घटना की सूचना से मृतक के परिवार में कोहराम मचा है। मृतक के भाई ने युवती के परिजनों पर हत्या की आशंका जताई है। पुलिस का कहना है कि आगे की कार्रवाई पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर तय होगी। जैदपुर के मंझपुरवा मजरे बंभौरा गांव निवासी हर्ष रावत (20) डीजे के स्टेज पर लाइटिंग का काम करता था। उसका प्रेम प्रसंग क्षेत्र के ही एक गांव की किशोरी से चल रहा था। परिजनों के मुताबिक प्रेम प्रसंग को लेकर हुई बातचीत के बाद शनिवार को हर्ष घर छोड़कर चला गया था। चर्चा है कि युवक किशोरी के साथ जाता देखा गया था। परिजनों के अनुसार रात में हर्ष ने अपनी मां को फोन लगाकर कहा था कि अब हम जिंदा नही रहेंगे।

सत्यभामा सिंह रचित माटी के गीत का विमोचन एवं कविगोष्ठी

ठाणे । साहित्यिक, सांस्कृतिक एवं सामाजिक संस्था बाबू शोभनाथ सिंह मेमोरियल ट्रस्ट द्वारा शुक्रवार दिनांक 9 मई 2025 को श्री साईं हाल,खडगपाढा, कल्याण (पश्चिम) में वरिष्ठ कवियत्री श्रीमती सत्यभामा सिंह ' ज़िया ' द्वारा रचित पुस्तक 'माटी के गीत' का विमोचन एवं काव्यगोष्ठी का आयोजन किया गया।पुस्तक ₹ माटी के गीत₹ पुस्तक में हिन्दू रिति-रिवाज के 16 संस्कारों की धरोहर को समाहित किया है।श्रीमती सत्यभामा सिंह अवधी भाषा की एक पहचान बनने की ओर अग्रसर है। उक्त कार्यक्रम की अध्यक्षता जाने-माने प्रसिद्ध साहित्यकार डॉ अशोक तिवारी ने किया तथा मुख्य अतिथि के रूप में आनंद प्रकाश सिंह(पूर्व उद्घोषक

आकाशवाणी मुंबई) उपस्थित थे। सम्मानित अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन कार्यक्रम संपन्न होने के पश्चात श्रीमती पल्लवी रानी ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत की तत्पश्चात विद्वत जनों की उपस्थिति में उनके ही करकमलों द्वारा पुस्तक₹ माटी के गीत का विमोचन हुआ। डॉ प्रतिमा सिंह ,श्रीमती रीता कुशवाहा,सत्यदेव सिंह विजय,वरिष्ठ साहित्यकार राजेश विक्रांत,प्रवीण देशमुख,पंडित पवन तिवारी, वरिष्ठ साहित्यकार विजय पंडित, पंडित विश्वनाथ दुबे,रमेश बहादुर सिंह आदि पुस्तक विमोचन के साक्षी बने। विमोचन के समय श्रीमती सत्यभामा सिंह व शिवकुमार सिंह भी उपस्थित रहे।सत्यदेव सिंह विजय , श्रीमती रीता कुशवाहा, आनंद प्रकाश सिंह ,डॉक्टर अशोक तिवारी ,पंडित पवन तिवारी,पं विश्वनाथ दुबे,विजय पंडित और भारती प्रसार परिषद मुंबई के अध्यक्ष ने बड़ी मार्मिकता से पुस्तक की समीक्षा प्रस्तुत किया। वरिष्ठ साहित्यकार प्रवीण देशमुख मराठी भाषी होते हुए इस पुस्तक की समीक्षा अवधी में सैनिक पर लिखी कजरी को गाया तो लोग बहुत प्रशंसा किए।इसी कड़ी में हिंदी साहित्य अकादमी महाराष्ट्र के द्वारा सम्मानित लेखक ,पत्रकार व कवियों का भी सम्मान किया गया।

संचालन की खूबसूरत भूमिका पंडित पवन तिवारी ने निभाई।आनंद प्रकाश सिंह ने पुस्तक के ही गीत गाने का अनुग्रह किया। डॉक्टर तिवारी ने अपना प्रस्ताव रखा कि इस पुस्तक को बुंदेलखंडी भाषा व खड़ी बोली में लिखा जाय तो और अधिक लोगों के लिये उपयोगी हो सकता है तत्पश्चात कविता और गीतों की रस धारा बही। जिसमें अनिल कुमार राही,डॉ रामस्वरूप साहू ,दयाराम दर्द,भगवान दास हाथरसी,राजीव मिश्रा ,श्रीमती किरण तिवारी , श्रीमती मीनाक्षी शर्मा, अमनदीप गुजराल ,डॉक्टर कनक लता तिवारी,श्रीमती सीमा द्विवेदी ,श्रीमती जागृति सिन्हा, श्रीमती अन्नपूर्णा गुप्ता सरगम, श्रीमती मंजू राय,श्रीमती सुमंगला सुमन,श्रीमती पल्लवी रानी ,श्रीमती लक्ष्मी यादव तेजस्विनी, कवि एवं पत्रकार विनय शर्मा दीप,राजेश दुबे 'अल्हण असरदार',बाहुबली संगम, सत्यदेव सिंह 'विजय 'आदि कवियों ने अपना काव्य पाठ व गीत प्रस्तुत किया। श्रीमती सत्यभामा सिंह के पुस्तक विमोचन एवं कविगोष्ठी पश्चात कवियत्री के पोते नीलांश का पांचवा जन्म दिवस भी मनाया गया।सभी ने 'जीवेत शरदम सतम् का आशीर्वाद दिया।अंत में ट्रस्टी अध्यक्ष शिवकुमार सिंह ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया।

पति से तंग विवाहिता कूदी ट्रेन के आगे, महिला सिपाही ने सूझ बूझ से बचाई जान

शाहगंज, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। एक विवाहिता अपने ही पति और उसके व्यवहार से इस कदर तंग हो गयी की उसने आत्म हत्या जैसी कठोर कदम उठाने का निर्णय कर लिया।जानकारी के अनुसार खुटहन थाना क्षेत्र के एक गाँव निवासी लगभग 24 वर्षीय खुशबू की शादी बीते जनवरी माह में सरपतहां थाना क्षेत्र के दीपचंद के साथ हुई थी।

आरोप है समय बीतने के साथ पता चला की लड़के की मानसिक स्थिति ठीक नही है। इन्ही सब बातों को लेकर दोनों में रोज कलह होने लगी। खुशबू के अनुसार उसका पति उसे प्रताड़ित भी करता था। और तरह तरह से उत्पीड़न कर रहा था।जिसकी शिकायत उसने सरपतहां थाने में की थी मगर कोई कार्यवाई नही हुई।

आये दिन पति के कलह से तंग आकर खुशबू ने रविवार की सुबह जान देने की नीयत से शाहगंज रेलवे स्टेशन पहुंची और ट्रेन की पटरी पर कूद गई।मगर किसी महिला ने उसे देख लिया और अपने सूझ बूझ से उसकी जान बचा ली। मगर इतने में उसके सर में गम्भीर चोटे आई।घायल अवस्था किसी तरह उसको एक अस्पताल में भर्ती कराया गया। उपचार के बाद उसे कोतवाली लाया गया। जहां कोतवाली पुलिस उसे समझा बुझाकर किसी तरीके से आगे भविष्य में आत्महत्या जैसा कोई कदम न उठाने के लिए मनाया।

शिक्षक शैलेन्द्र मिश्रा (नीरज) के जन्मदिन पर लोगों ने दी बधाई

मुंबई - माटुंगा (उत्तर शक्ति) माटुंगा निवासी शिक्षक शैलेन्द्र मिश्रा एक सरल सौम्या , विवेकवान , मृदु भाषी , विनम्र, ऊजार्वान, शिक्षक शैलेन्द्र मिश्रा का जन्मदिन 11 मई 2025 को उनके निवास स्थान माटुंगा में बड़े धूमधाम से मनाया गया। शिक्षक शैलेंद्र मिश्रा माटुंगा स्थित डॉन वास्को हाईस्कूल में शिक्षक के रूप में कार्यरत हैं। बता दे शैलेन्द्र मिश्रा नीरज दैनिक उत्तरशक्ति के उपसंपादक प्रेम चंद मिश्रा के सुपुत्र हैं । इस मौके पर परिवार और मित्र गण के सभी सदस्य मौजूद थे। डॉन वास्को हाईस्कूल के शिक्षक राजेश त्रिपाठी, माता लीलावती मिश्रा, भाई अरविंद मिश्रा, भाई धिरेन्द मिश्रा, प्रशांत मिश्रा, अनूज ,छोटू मिश्रा, चाचा फूल चंद मिश्रा ,विजय चंद मिश्रा , उमा शंकर मिश्र, रमापति मिश्रा , सभापति मिश्रा , पिंटू , आशू, पंडित मिश्रा, सुनील तिवारी

(वकील), रेखा तिवारी , अखिलेश तिवारी, प्रिया तिवारी, दैनिक उत्तर शक्ति समाचार पत्र के सहयोगी मामा जगदीश तिवारी, जयप्रकाश त्रिपाठी, भाभी रंजू मिश्रा , पत्नी रोशनी मिश्रा , शैली मिश्रा, चाची सीमा , उर्मिला (बबिता मिश्रा) , भतीजी दिशा मिश्रा , रितिका , निष्ठा, प्रज्ञान,आर्शी दुबे , बेटी कियोशा , बहन रश्मि (मोनू)दुबे, मोहिनी मिश्रा ने भी जन्मदिन पर हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं । पिता प्रेम चंद मिश्रा ने जन्मदिन पर आशिर्वाद प्रदान करते हुए उज्वल भविष्य की कामना की। दैनिक उत्तरशक्ति संपादक ओमप्रकाश प्रजापति , दैनिक उत्तरशक्ति चीफ ब्यूरो आचार्य पंडित दीनानाथ शुक्ला , दैनिक उत्तरशक्ति पत्रकार राजकुमार अग्रहरि , पत्रकार अवधेश मिश्रा रिक्की, दैनिक उत्तरशक्ति पत्रकार आनंद मिश्रा , मित्र शिक्षक निखिल आयरे , रोहन सेठ , रोहन वैंगनकर , निलेष डांगे, शालिनी अइयर , कपील भाई दर्जी , दिपा अणवकर ने शैलेन्द्र मिश्रा के जन्मदिन पर हार्दिक बधाई एवं हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं । दैनिक उत्तर शक्ति संपादक ओम प्रकाश प्रजापति व पिता दैनिक उत्तरशक्ति के उपसंपादक प्रेम चंद मिश्र ने शुभकामनाएं देते हुए कहा कि मृग के कस्तुरी की सुगंध के भांति , शैलेन्द्र मिश्रा आप की किर्ति की सुगंध चारों दिशाओं में फैले । बास्केटबॉल के कोच गुरू दत्त नायक , के के मिश्रा (बच्चन मिश्रा) , समाज सेवक भरत शुक्ल ने भी जन्मदिन पर हार्दिक बधाई एवं हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं ।

विकसित भारत के लिए एक राष्ट्र-एक चुनाव जरूरी : सुनील बंसल

सुरेश गांधी

वाराणसी। एक राष्ट्र, एक चुनाव लोकतंत्र को अधिक प्रभावी, व्यय-कुशल और व्यवस्थित बनाने की दिशा में एक निर्णायक कदम है। इससे देश का विकास तेज होगा, राजनीति सीमित होगी और युवाओं को नये अवसर मिलेंगे। यह बातें भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री सुनील बंसल ने कही। वे रविवार को सिगरा स्थित रुद्राक्ष कन्वेंशन सेंटर में आयोजित युवा टाउनहाल को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने युवाओं का आह्वान किया कि इसे अभियान बनाकर जन-जन तक पहुंचाएं, ताकि यह जनआंदोलन का रूप ले सके। उन्होंने कहा कि बार-बार चुनाव होने से देश का विकास और जनकल्याण की योजनाएं बाधित होती हैं। पिछले 30 वर्षों में कोई ऐसा साल नहीं गया जिसमें देश के किसी न किसी राज्य में चुनाव न हुए हों। इससे प्रशासनिक मशीनरी बार-बार चुनाव कराने में व्यस्त रहती है, जिससे गुड गवर्नेंस और गरीब कल्याण के कार्य प्रभावित होते हैं। उन्होंने कहा कि बार-बार चुनाव होने से नीति-निर्माण में रुकावट आती है और पॉलिसी पैरालिसिस की स्थिति बनती है। इससे शासन की निरंतरता टूटती है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह कोई नया विचार नहीं है, 1952 से 1967 तक देश में चार बार चुनाव एक साथ हुए हैं। वर्तमान सरकार ने इस दिशा में गंभीर पहल की है और उच्च स्तरीय समिति ने 62 राजनीतिक दलों से सुझाव मांगे, जिनमें से 47 दलों ने अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि अब हर भारतवासी चाहता है कि बार-बार होने वाले आतंकी हमलों पर स्थायी विराम लगे और पाकिस्तान को करारा जवाब दिया जाए। भारत ने यह साबित कर दिया है कि यह देश अब न तो झुकेगा और न ही चुप बैठेगा। जब भी कोई हमारी अस्मिता पर हमला करेगा, हम उसे मुंहतोड़ जवाब देंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बिहारी लाल शर्मा ने की। कार्यक्रम का संचालन भाजयुमो प्रदेश महामंत्री देवेंद्र पटेल ने किया और धन्यवाद ज्ञापन क्षेत्रीय अध्यक्ष युवा मोर्चा शैलेंद्र मौर्य ने किया। जबकि विशिष्ट अतिथि पद्मभूषण प्रो. देवी प्रसाद द्विवेदी थे। इस अवसर पर अंतरराष्ट्रीय एथलीट प्रियंका सिंह पटेल और रेनू सिंह ने भी युवाओं को संबोधित किया और राष्ट्रहित के इस अभियान में अपनी भूमिका निभाने का आह्वान किया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन, भारत माता के चित्र पर पुष्पार्चन एवं वंदे मातरम गान के साथ हुआ, जबकि समापन हर हर महादेव के उद्घोष से हुआ।

मिसेज ब्यूटी मॉम्स ऑफ बिहार सीजन-5 का ग्रैंड फिनाले संपन्न

पटना (उत्तरशक्ति)। रैंप पर जब मम्मियों ने खूबसूरत परिधानों में सज-धजकर मॉडलिंग करनी शुरू की तो हर कोई देखता रह गया। किसी को विश्वास नहीं हो रहा था की कल तक घर का काम सँभालने वाली महिलाएं आज रैंप पर इतनी बढ़िया कैट वॉक कर पूरे आत्मविश्वास से निर्यायकों के सवालों का जवाब दे सकेंगी। मौका था न्यू बूगी वूगी अकेडमी द्वारा रविवार को प्रेमचंद रंगशाला में आयोजित मिसेज ब्यूटी मॉम्स ऑफ बिहार सीजन-5 का ग्रैंड फिनाले का। कार्यक्रम की विधिवत शुरूआत विशिष्ट अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर की गयी। इसके पश्चात अकेडमी के बच्चों द्वारा गणेश वंदना पर नृत्य की प्रस्तुति से कार्यक्रम की शुरूआत की गयी। आगंतुक अतिथियों को अकेडमी द्वारा बुके और मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया। फिनाले में बिहार

के विभिन्न जिलों से चुनी गई 16 महिलाओं ने निर्णायकों के सामने अपनी बेहतरीन प्रतिभा का प्रदर्शन किया। सभी प्रतिभागी ने एक दूसरे को कड़ी प्रतिस्पर्धा देते हुए अपने हुनर का लोहा मनवाया। निर्णायक के रूप में मिसेज इंडिया मोनिका मणि, डॉ. रोहिणी झा, मिसेज इंडिया यूनिवर्स अनिता सिंह व दीपिका साहनी ने प्रतिभागियों का चयन 3 राउंड के प्रदर्शन के आधार पर किया जिसमें इंट्रो, एथनिक व वेस्टर्न राउंड शामिल था। मौके पर उपस्थित कार्यक्रम संयोजक व न्यू बूगी वूगी अकेडमी के निदेशक अनिल राज ने बताया कि इस कार्यक्रम में पटना, मुजफ्फरपुर, छपरा, भागलपुर सहित बिहार के अन्य जिलों की महिलाओं ने हिस्सा लिया। उन्होंने बताया कि हमारा उद्देश्य फैशन के क्षेत्र में रुचि रखने वाली महिलाओं को उनके मुकाम तक पहुँचाना है। इस प्रतियोगिता को आयोजित करने का मुख्य उद्देश्य बिहार की महिलाओं को कला के क्षेत्र में आगे लाना है। शादी के बाद घर के कामकाज में उलझ कर रह जाने वाली महिलाओं के अधूरे सपने को पूरा करने का है। उन्होंने बताया कि यह प्रतियोगिता उन महिलाओं को सशक्त मंच प्रदान करता है जिससे वो अपने सपने को पूरा कर सकती हैं।

समाजसेवी स्व. श्यामाचरण पांडे स्मृति चौक का अनावरण

प्रेम चंद मिश्रा

मुंबई (उत्तरशक्ति)। मुंबई अंधेरी के अंबेवाड़ी क्षेत्र में वरिष्ठ समाजसेवक स्वर्गीय श्यामाचरण पांडे की स्मृति में निर्मित श्यामाचरण पांडे स्मृति चौक का उद्घाटन सिद्धिविनायक मंदिर ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष व मुंबई भाजपा उपाध्यक्ष आचार्य पवन त्रिपाठी व अंधेरी के लोकप्रिय विधायक मुरजी पटेल के कर-कमलों द्वारा संपन्न हुआ।

इस चौक का नवीनीकरण स्थानीय विधायक निधि से किया गया है, जो स्व. पांडे जी के सामाजिक योगदान को स्थायी रूप से स्मरण व प्रेरक बनाए रखने का एक सामाजिक प्रयास है। कार्यक्रम में उपस्थित गणमान्य लोगों द्वारा स्व. श्यामाचरण पांडे जी के सामाजिक जीवन मे सेवा, समर्पण, सद्भावना और आमजन के प्रति उनका दुःख सुख में साथ निभाने की प्रतिबद्धता को स्मरण करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि

अर्पित की गयी, इस अवसर पर अपने पिता द्वारा किए गये सामाजिक कार्यों को याद कर भावुक हुए उनके पुत्र प्रमोद श्यामाचरण पांडेय ने कहा कि समाजसेवा तो हमें विरासत में मिली है , हम इस कार्य (समाजसेवा) को पिछड़ी दर पिछड़ी लेकर चलते का प्रयत्न करेंगे, इस चौक के नवीनीकरण से स्थानीय नागरिकों सहित मुंबई महानगर के समस्त उत्तर भारतीय समाज से जुड़े लोगों में नव उत्साह देखा गया,यह स्मृति चौक न केवल एक स्मारक है, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का प्रतीक है। इस सुअवसर पर गुजरात के विधायक हीरा भाई सोलंकी, इन्द्रसेन उपाध्याय, सुरेंद्र दुबे, डॉ. शिवश्याम तिवारी, बाबा तिवारी, पूर्व नगरसेवक पंकज यादव, अधिवक्ता संदीप शुक्ला, उमेश दुबे, डॉ. मनोज दुबे,संजय दुबे, रामजी पांडे, उत्तम पांडे, सुभाष दुबे, अजय सोलंकी , वरिष्ठ पत्रकार प्रेम चौबे सहित अनेक गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति रही

पाकिस्तान सुन ले! वाराणसी से गूंजा हुंकार – बाप तुम्हारा हिंदुस्तान

सुरेश गांधी

वाराणसी। पाकिस्तान की नापाक हरकतों पर वाराणसी में भी गुस्सा फूटा. वाराणसी व्यापार मंडल के नेतृत्व में रविवार सुबह एक आक्रोशित विजय जुलूस निकाला गया, जिसमें व्यापारियों और युवाओं ने सेना के साहस को सलाम किया और पाकिस्तान को चेतावनी दी अबकी बार बख्शा नहीं जाएगा! सुबह 7:30 बजे साजन सिनेमा से निकला जुलूस जब सिगरा चौराहा पहुँचा, तो वहां प्रतीकात्मक रूप से पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और सेना प्रमुख मुनीर के पुतलों को घसीटते हुए लाया गया और फाँसी देने के बाद आग के हवाले किया गया। इस पूरे आयोजन में भारत माता की जय, पाकिस्तान मुदार्बाद, बाप तुम्हारा हिंदुस्तान, भारतीय सेना जिंदाबाद जैसे नारे गूंजते रहे, जिससे माहौल पूरी तरह देशभक्ति में रंगा रहा। व्यापार मंडल अध्यक्ष अजीत सिंह बग्गा ने स्पष्ट कहा कि अब पाकिस्तान को हर भाषा में जवाब मिलेगा कूटनीति में भी और बारूद में भी। जुलूस में शामिल युवाओं ने हाल ही में भारतीय सेना द्वारा किए गए नौ आतंकी ठिकानों पर प्रहार पर गर्व व्यक्त करते हुए कहा कि दुश्मन को अब उसी की भाषा में जवाब देना जरूरी है।

इस अवसर पर प्रमुख रूप से कविंद्र जायसवाल, प्रभाकर जी, संजय गुप्ता, मनीष गुप्ता, राजीव वर्मा, रमेश पाण्डेय, केसरी जायसवाल, हाजी शायद कुरैशी, योगिता तिवारी सहित सैकड़ों व्यापारी मौजूद रहे, जिन्होंने सेना को सलामी दी और हर मोर्चे पर साथ खड़े रहने की बात कही।